छत्तीसगढ़ का बजट पेश

दिव्य आकाश

कोरबा से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रथम बहुरंगी साप्ताहिक अखबार

वर्ष-14,अंक -44 | कोरबा, शुक्रवार दिनांक 09 से 15 फरवरी 2024 | पृष्ठ-8 मूल्य ₹ 3.00

छत्तीसगढ़ के इतिहास में पहली बार पेपरलेस डिजिटल बजट पेश

अमृतकाल के नींव का बजट

ग्रेट छत्तीसगढ़ की थीम पर है बजट

छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार का पहला बजट ऐतिहासिक रूप से चिर स्मरणीय बन गया। वित्त मंत्री ओपी चौधरी के द्वारा पेश किया गया। यह बजट पेपर लेस है और छत्तीसगढ़ के इतिहास का पहला डिजिटल बजट है, इसके साथ ही इस बजट का ब्रीफकेस भी छत्तीसगढ़ की लोक कला, लोक संस्कृति, युवा, महिला और किसान एवं आधुनिकता के समावेश को दर्शा रहा है।

वित्त मंत्री ओ पी चौधरी द्वारा आज विधानसभा में पेश किए गए बजट को जिस ब्रीफकेस में प्रस्तुत किया गया, वो काफी खास है। यह ब्रीफ़केस छत्तीसगढ़ के आदिम जनजाति के पारंपरिक सुप्रसिद्ध ढोकरा शिल्प को समेटे हुए हैं। गौरतलब है कि हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा ग्रीस के प्रधानमंत्री को छत्तीसगढ़ की डोकरा कलाकृति भेंट की गई थी, जिससे इस कला की पहचान अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक पहुंची है।

ओपी चौधरी के बजट ब्रीफकेस में भारत माता और छत्तीसगढ़ महतारी की फोटो है जो यह दर्शा रही हैं कि विकसित भारत निर्माण में छत्तीसगढ़ प्रदेश का योगदान बहुत महत्वपूर्ण साबित होगा। ब्रीफकेस पर छत्तीसगढ़ शासन का लोगो जिसमे धान की बाली है, यह दर्शाती है कि यह किसान हितैषी सरकार है और किसानों के हित को सदैव प्राथमिकता में रखेगी। इस ब्रीफकेस में छत्तीसगढ़ के मैप को स्वर्णिम रूप में दर्शाया गया है जो ये बताता है कि सरकार सुशासन के साथ छत्तीसगढ़ के युवा, महिला व किसानों की आय में वृद्धि करने के उद्देश्य के साथ कार्य करेगी और छत्तीसगढ़ राज्य को देश में एक स्वर्णिम राज्य के रूप मे स्थापित करेगी। इस ब्रीफकेस में अमृतकाल के नींव का बजट लिखा हुआ है जो यह दर्शाता है कि केंद्र की सभी योजनाओं का लाभ प्रदेश की जनता को निरंतर मिलता रहेगा। इसके साथ ही ब्रीफ़केस के पीछे GREAT CG लिखा है जो Guarantee, Reform, Economic Growth, Achievement, Technology, Capex तथा Good Governance को दर्शाता है। वित्त मंत्री ओपी चौधरी के पहले बजट के इस ब्रीफ़केस में छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव सरकार की नीति व नियत साफ़ झलक रही है जो यह दर्शाती है कि यह सरकार मोदी की गारंटी को पूरा कर सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास व सबका प्रयास के सिद्धांतों पर चलकर छत्तीसगढ़ की जनता के विकास के प्रति पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

वित्तमंत्री चौधरी के बजट में छत्तीसगढ़ को

GYAN

बिजली बिल रहेगा हाफ, 5 साल फ्री राशन, किसानों को 10 हजार करोड़, लागू होगी राष्ट्रीय शिक्षा नीति

रायपुर।

छत्तीसगढ़ की साय सरकार ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए अपना पहला बजट एक लाख 47 हजार 500 करोड़ का पेश किया। यह पूर्ववर्ती भूपेश सरकार से 22 फीसदी अधिक है। वित्त मंत्री ओपी चौधरी का यह बजट GYAN यानी गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी पर केन्द्रित है।

वित्त मंत्री चौधरी ने कहा कि GYAN के माध्यम से गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी से आर्थिक विकास होगा। सरकार ने 5 सालों में जीडीपी को 5 लाख करोड़ से 10 लाख करोड़ तक पहुंचाने यानी दोगुना करने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए 10 पिलर्स निर्धारित किए गए हैं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अमृत काल के नींव का बजट पेश करने पर वित्त मंत्री ओ पी चौधरी को मिठाई खिलाकर बधाई दी।

बजट में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, पर्यटन, धार्मिक स्थलों, कृषि कारोबार का ध्यान रखा गया है। वहीं कोई नया कर नहीं लगाया गया है। कृषि बजट में भी 33 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। खास बात यह है कि बिजली बिल हाफ योजना जारी रहेगी। वहीं 5 साल फ्री राशन योजना को आगे बढ़ाया गया है। प्रदेश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू की जाएगी।

युवा वर्ग- रोजगार-स्वरोजगार और खेल

युवाओं के लिए सरकार ने रोजगार, शिक्षा और स्वरोजगार के दरवाजे खोले हैं। वहीं सीजीपीएससी के विवादों के बाद उसके रिफॉर्म की बात कही है। इसके अलावा कला, साहित्य और खेल के क्षेत्र में युवाओं के योगदान को प्रोत्साहित और सम्मान देने के लिए 1 करोड़ 50 लाख का प्रावधान किया गया है।

यूपीएससी की तैयारी के लिए एसटी/एससी/ओबीसी वर्ग के छात्रों के लिए दिल्ली में स्वीकृत 65 सीटों को बढ़ाकर अब 200 कर दिया गया है। इसके लिए शिक्षण शुल्क के साथ ही आवास भत्ता भी दिया जाएगा। इसके लिए 4 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

युवाओं को रोजगार देने के लिए सीधे तौर पर भर्तियों का ऐलान नहीं किया गया है, लेकिन नए कोर्ट और पदों की बढ़ोतरी की गई है। इसके चलते रायपुर, बिलासपुर और दुर्ग में तहसीलदार के 30 और नायाब तहसीलदार के 15 पदों पर, प्रदेश के अलग-अलग कोर्ट में 1053 और राज्य पुलिस बल में 1089 पदों पर भर्तियां की जाएंगी।

प्रदेश में खेल को बढ़ावा देने के लिए छत्तीसगढ़िया क्रीड़ा प्रोत्साहन योजना शुरू होगी। जशपुर के कुनकुरी में मॉडर्न खेल स्टेडियम बनेगा। रायगढ़ और बलौदाबाजार में इंडोर स्टेडियम का निर्माण कराया जाएगा।

महिला वर्ग- महतारी वंदन योजना में 1 मार्च से भुगतान

भाजपा ने अपने घोषणा पत्र में महिलाओं को हर माह एक हजार रुपए देने का वादा किया था। इसके लिए महतारी वंदन योजना शुरू की गई है। इसमें पात्र महिलाओं को सरकार 1 मार्च से 12 हजार रुपए सालाना का भुगतान करेगी। इसके लिए बजट में 3000 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

आंगनबाड़ी में महिलाओं और नौनिहालों के पूरक पोषण और विकास के लिए 700 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा 10 नवीन अंब्रेला योजना भी शुरू की जाएगी। इसके लिए सरकार 628 करोड़ रुपए का प्रावधान बजट में किया है।

ग्राम पंचायतों में महिला सदन

ग्राम पंचायतों में महिला विकास एवं सशक्तिकरण के लिए होने वाले कार्यक्रमों के लिए महिला सदन बनेंगे। इसके लिए 50 करोड़ का प्रावधान किया गया है। वहीं प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना में 117 करोड़ रुपए बजट में दिए गए हैं।

शिक्षा- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 लागू की जाएगी

छत्तीसगढ़ प्रौद्योगिकी संस्थानों की स्थापना की जाएगी

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित सिस्टम की मदद से शिक्षा व्यवस्था को सुधारा जाए।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रावधानों के अनुरूप रिसर्च इनोवेशन के लिए परिषद का गठन किया जाएगा।

राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों की भांति प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में छत्तीसगढ़ प्रौद्योगिकी संस्थानों की स्थापना की जाएगी।

पंडित रविशंकर शुक्ला महाविद्यालय रायपुर में स्टार्टअप इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए केंद्रीय इंस्ट्रूमेंटेशन फैसिलिटी का उन्नयन किया जाएगा।

व्यवसाय मूलक पाठ्यक्रम के रूप में वाणिज्य अध्ययन शाला प्रारंभ की जाएगी।

कुनकुरी, रामचंद्रपुर, खड़गांव, सिलफिली में कृषि एवं उद्यानिकी महाविद्यालय की स्थापना की जाएगी।

स्वास्थ्य -

स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए 1500 करोड रुपए का प्रावधान

सिम्स के नवनिर्माण के लिए 700 करोड़ रुपए का प्रावधान।

मेकाहारा रायपुर के लिए 773 करोड़।

मनेंद्रगढ़, कुनकुरी में 220 बिस्तर वाले अस्पताल की स्थापना की जाएगी

बजट भाषण पढ़ते वित्तमंत्री ओपी चौधरी

किसानों के लिए खोला खजाना

कृषि-किसान, सहकारिता- किसानों को मिलेगा ब्याज मुक्त ऋण

कृषि बजट में 33 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, अब इसका कुल 13,438 करोड़ रुपए का प्रावधान हुआ है।

कृषि उन्नति योजना के लिए 10 हजार करोड़ का प्रावधान।

किसानों को ब्याज मुक्त ऋण देने के लिए 8500 करोड़ का प्रावधान। इस राशि पर ब्याज मुक्त अनुदान के लिए 317 करोड़ का प्रावधान।

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के लिए 5 करोड़ का प्रावधान।

केलो परियोजना के तहत रायगढ़ में सिंचाई परियोजनाओं को गति देने के लिए 100 करोड रुपए का प्रावधान।

सिंचाई बांधों की सुरक्षा के लिए 72 करोड़ का प्रावधान।

खाद एवं बीज भंडार गोदाम निर्माण के लिए 72 करोड़ का प्रावधान।

पर्यटन और धर्म

शक्तिपीठ परियोजना के लिए 5 करोड़ रुपए का प्रावधान। श्री रामलला दर्शन योजना के लिए 35 करोड़ का प्रावधान। ईको टूरिज्म के लिए रोड मैप तैयार करेंगे।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास

पक्के मकान, सड़क और पुल

ग्रामीण विकास के बजट में 70 प्रतिशत की बढ़ोतरी।

पीएम आवास ग्रामीण के लिए 8369 करोड़ का प्रावधान।

मनरेगा के लिए 2788 करोड़ का प्रावधान।

पीएम ग्राम सड़क के लिए 841 करोड़

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन में 561 करोड़ का प्रावधान।

स्वच्छ भारत मिशन 400 करोड़ का प्रावधान।

प्रधानमंत्री जनमन योजना के लिए 300 करोड़ का प्रावधान।

मुख्यमंत्री ग्राम गौरव पथ योजना में 50 करोड़ का प्रावधान।

एससी /एसटी वर्गों के छात्र-छात्राओं के लिए

कमजोर जनजाति समूहों के लिए 13 करोड़ का प्रावधान।

46 छात्रावास आश्रम निर्माण के लिए 78 करोड़ 10 लाख

मुख्यमंत्री बाल भविष्य सुरक्षा योजना के लिए 75 लाख

सभी संभागों में पोस्ट ग्रेजुएट छात्रावास निर्माण के लिए 2.40 करोड़

बलरामपुर में 100 सीटर आदिवासी क्रीडा परिसर के लिए 3.10 करोड़

छत्तीसगढ़ सहकारी बैंक प्रशिक्षण संस्थान के लिए 5 करोड़।

दीनदयाल उपाध्याय भूमि कृषि मजदूर योजना प्रारंभ करने के लिए 500 करोड़ रुपए का प्रावधान।

सिंचाई के लिए रकबे के विस्तार के लिए 300 करोड़ रुपए राशि का प्रावधान।

मुख्यमंत्री साय ने वित्तमंत्री चौधरी का मुंह कराया मीठा

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शुक्रवार को विधानसभा परिसर स्थित अपने कक्ष में छत्तीसगढ़ के अमृत काल के नींव का बजट पेश करने पर वित्त मंत्री ओपी चौधरी को मिठाई खिलाकर बधाई दी। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने भी मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को मुंह मीठा कराकर धन्यवाद दिया। गौरतलब है कि वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने छत्तीसगढ़ विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 1 लाख 47 हजार 500 करोड़ रूपए के छत्तीसगढ़ के अमृत काल के नींव का बजट पेश किया। यह बजट 'GYANअर्थात गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी की समृद्धि और पूंजीगत व्यय बढ़ाकर अधोसंरचना विकास को प्रोत्साहित करने और राज्य के युवाओं को रोजगार एवं आजीविका बढ़ाने पर केन्द्रित है। यह बजट मोदी की गारंटी के तहत वादों को पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

बजट में मोदी की गारंटी

प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए दूसरे अनुपूरक में 3800 करोड़ रुपए का प्रावधान किया था। अब 8369 करोड़ का प्रावधान कियागया।

महतारी वंदन योजना में पात्र महिलाओं को 1 मार्च से 12 हजार रुपए सालाना भुगतान।

कृषक उन्नति योजना में 10 हजार करोड़ का प्रावधान।

हर घर निर्मल जन अभियान को पूरा करने के लिए जल जीवन मिशन योजना में 4500 करोड़ का प्रावधान।

दीनदयाल उपाध्याय भूमि कृषि मजदूर योजना प्रारंभ करने के लिए 500 करोड़ रुपए का प्रावधान।

स्टेट कैपिटल योजना के लिए 5 करोड़ रुपए का प्रावधान।

छत्तीसगढ़ उद्यम क्रांति योजना लागू की जाएगी।

इन्वेस्ट इंडिया की तर्ज पर इन्वेस्ट छत्तीसगढ़ के लिए 5 करोड़ का प्रावधान

शक्ति पीठ परियोजना में डीपीआर और निर्माण कार्यों के लिए 5 करोड़ का प्रावधान।

श्रीराम लला के दर्शन के लिए 35 करोड़ का प्रावधान

ब्रीफकेस पर ढोकरा शिल्प की झलक

वित्त मंत्री ओपी चौधरी जिस ब्रीफकेस में बजट लेकर पहुंचे हैं, उस पर छत्तीसगढ़ के आदिम जनजाति कला की पहचान ढोकरा शिल्प की झलक दिखाई दे रही है। इस पर भारत माता और छत्तीसगढ़ महतारी की तस्वीर भी बनी है। इसके जरिए विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ की परिकल्पना की गई है। बजट को अमृतकाल की नींव का दिया गया नाम। इस पर छत्तीसगढ़ महतारी और भारत माता की तस्वीर। ब्रीफकेस पर अमृतकाल के नींव का बजट लिखा हुआ है। यह यह दर्शाता है कि केंद्र की सभी योजनाओं का लाभ प्रदेश की जनता को निरंतर मिलता रहेगा।

रायपुर में चलेंगी ई-बस, वाई-फाई से लैस होंगे गांव

छत्तीसगढ़ में साय सरकार के पहले बजट में रायपुर संभाग को कई बड़ी सौगातें मिली हैं। नवा रायपुर में स्मार्ट शहर, कॉलेज शुरू करने और महासमुंद, धमतरी, गरियाबंद में अस्पतालों की सुविधाओं के विस्तार से जुड़ी बड़ी घोषणाएं की गई है।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने बजट में गांवों को इंटरनेट कनेक्टिविटी से जोड़ने और वाई-फाई की सुविधा देने की बात कही है। इसके अलावा किसान, खेल और युवा, आम आदमी को सुविधा, शहरी विकास, हायर एजुकेशन और स्वास्थ्य सुविधाओं को लिए राशि स्वीकृति की गई है।

किसान के लिए मछली पालन

महासमुंद जिले में नई हेचरी बनेगी। इससे मछली पालन करने वाले किसानों को फायदा होगा। सक्ती, राजनांदगांव, मनेंद्रगढ़ और जशपुर जिले में भी बनाया जाएगा।

इसके लिए 1 करोड़ का प्रावधान है।

खेल और युवा

बलौदाबाजार जिले में इनडोर स्टेडियम कॉम्प्लेक्स बनेगा। इसके लिए 4 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

रायपुर में इसी साल छत्तीसगढ़ प्रौद्योगिकी संस्थान शुरू किए जाएंगे।

आईआईटी के तर्ज पर यह टेक्निकल इंस्टिट्यूट होंगे, जो युवाओं को एजुकेट करेंगे और रोजगार देने में सहायक होंगे।

आम आदमी को सुविधा

रायपुर में राजस्व मामलों के जल्द निपटारे के लिए तहसीलदार और नायब तहसीलदार के अतिरिक्त न्यायालय बनाए जाएंगे। यूथ को रोजगार भी मिलेगा, क्योंकि इसके लिए तहसीलदार के 30 और नायब तहसीलदार के 15 पद भरे जाएंगे। युवाओं को अफसर बनने का मौका मिलेगा।महासमुंद जिले में परिवार न्यायालय भवन बनाए जाने का प्रावधान किया गया है। रायपुर में सड़कों पर ई-बस चलेंगी। इसके लिए सरकार ने प्रदेश में कुल 103 करोड़ का प्रावधान किया है।

छत्तीसगढ़ के पहले बजट में सरगुजा संभाग को कई सौगातें

अंबिकापुर में सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, रेललाइन एयरपोर्ट और नए अस्पताल-कालेज को मंजूरी

अंबिकापुर, एजेंसी।

छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव सरकार के पहले बजट में सरगुजा संभाग को कई बड़ी सौगातें मिली हैं। अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज को एम्स की तर्ज पर विकसित करने 50 करोड़ की स्वीकृति दी गई है। अंबिकापुर में सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, मनेंद्रगढ़ और कुनकुरी में 220 बिस्तर अस्पताल बनेंगे।

इस बजट में चिरमिरी-नागपुर हॉल्ट रेललाइन के लिए 120 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी गई है। वहीं, बजट में अंबिकापुर एयरपोर्ट के विकास के लिए राशि का प्रावधान किया गया है। जशपुर में कृषि व्यवसाय प्रबंधन कॉलेज, एमसीबी में एग्रीकल्चर कॉलेज और सूरजपुर में हॉर्टिकल्चर कॉलेज के स्थापना की स्वीकृति दी गई है।

नए अस्पताल और मेडिकल कॉलेज को एम्स की तर्ज पर विकसित करेंगे

बजट में अंबिकापुर में सुपर स्पेशलिटी अस्पताल की मंजूरी दी गई है। वहीं, मनेंद्रगढ़ और जशपुर के कुनकुरी में 220 बिस्तर नए अस्पताल बनेंगे। अंबिकापुर के मेडिकल कॉलेज को एम्स की तर्ज पर विकसित किया जाएगा। चिकित्सा सुविधाएं और अन्य प्रायोजनों के लिए 50 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी गई है।

नागपुर रोड से चिरमिरी तक रेललाइन के लिए राशि स्वीकृत

रेललाइन के लिए पहले बजट में स्वीकृति

पहले बजट में चिरमिरी-नागपुर हॉल्ट रेल लाइन निर्माण के लिए 120 करोड़ रुपए के बजट का प्रावधान किया गया है। इस लाइन की स्वीकृति वर्ष 2018 में केंद्र सरकार ने पीपीपी मॉडल में दी थी। इस रेल लाइन के अनुमानित व्यय का 50 प्रतिशत अंशदान छत्तीसगढ़ सरकार को देना था।

पांच सालों से इस परियोजना का काम शुरू नहीं हो पाया था। केंद्र सरकार ने 120 करोड़ परियोजना के लिए दे दिया है। अब इस लाइन का काम शुरू हो जाएगा, जिसका लाभ पूरे संभाग को मिलेगा।

एयरपोर्ट के लिए भी मिली राशि

अंबिकापुर के दरिमा में तैयार मां महामाया एयरपोर्ट के लिए भी बजट में राशि का प्रावधान किया गया है। एयरपोर्ट का विस्तार कार्य पूरा हो गया है और लाइसेंसिंग की प्रक्रिया जारी है। यहां सुरक्षा उपकरण और अन्य व्यवस्थाओं के लिए राशि जारी करने से जल्द ही एयरपोर्ट से उड़न शुरू हो जाने की उम्मीद है।

सरगुजा संभाग को मिली बड़ी सौगातें

चिरमिरी-नागपुर हॉल्ट की नई रेललाइन के लिए 120 करोड़ का प्रावधान

अंबिकापुर में सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल की स्वीकृति

अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज में एम्स की तर्ज पर चिकित्सा सुविधाओं के विकास के लिए 50 करोड़।

मनेंद्रगढ़ और कुनकुरी में 220 बिस्तर अस्पताल की स्थापना।

सूरजपुर, बलरामपुर में जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना।

कुनकुरी जिला जयपुर में कृषि व्यवसाय प्रबंधन महाविद्यालय और अनुसंधान केंद्र की स्थापना।

रामचंद्रपुर जिला बलरामपुर में पोस्ट हार्वेस्ट मैनेजमेंट प्रोसेसिंग टेक्नोलॉजी महाविद्यालय की स्थापना।

खडगवां, जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में कृषि महाविद्यालय की स्थापना।

सूरजपुर में शासकीय उद्यानिकी और वानिकी महाविद्यालय की स्थापना।

सरगुजा में कृषि यंत्री कार्यालय, गुणवता नियंत्रण प्रयोगशाला की स्थापना।

एमसीबी और जशपुर में मत्स्य पालन को बढ़ावा देने नवीन हेचरी की स्थापना।

बलरामपुर, सरगुजा, जशपुर में आवासीय विद्यालयों के लिए राशि।

बलरामपुर में 100 सीटर स्पोर्ट्स सेंटर और हॉस्टल के लिए 3.10 करोड़।

जशपुर के कुनकुरी में मॉडर्न खेल स्टेडियम का निर्माण के लिए दो करोड़ की राशि।

मनेंद्रगढ़, सूरजपुर, बलरामपुर में नए जिला आयुर्वेद कार्यालय खुलेगा।

हाथी मानव द्वंद्व के कुशल प्रबंधन की रैपिड रिस्पांस टीम का गठन, 20 करोड़ का प्रावधान

अंबिकापुर, जगदलपुर, बिलासपुर एयरपोर्ट के लिए सुरक्षा उपकरण और अन्य व्यवस्थाओं के लिए 30 करोड़ का प्रावधान।

जशपुर हवाई पट्टी, बलरामपुर हवाई पट्टी के डेवलपमेंट के लिए 16.20 करोड़ का बजट प्रावधान।

बिलासपुर समेत 18 स्मार्ट शहरों को मिलेंगे 135

रामकी कछार स्थित प्लांट में 100 किलोवाट बिजली का उत्पादन कर रहा।

बिलासपुर, एजेंसी।

बिलासपुर स्मार्ट सिटी के एमडी अमित कुमार ने ने दिल्ली में कचरे से बायो गैस और आरडीएफ बनाने 120 करोड़ के प्रोजेक्ट प्रेजेंटेशन दिया। स्मार्ट सिटी मिशन ने देश भर से चयनित 18 शहरों को प्लांट, मशीनरी लगाने के लिए 135 करोड़ तक अनुदान देने का निर्णय लिया है। इसके लिए स्मार्ट शहरों के चयन के लिए स्मार्ट सिटी मिशन ने डीपीआर तैयार कर दिल्ली में प्रेजेंटेशन देने के लिए एमडी व जीएम टेक्नालाजी को आमंत्रित किया था। इसमें बिलासपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने गुरुवार को दिल्ली के इंडिया हेबिटेड सेंटर में 120 करोड़ के प्रोजेक्ट का प्रेजेंटेशन दिया।

एमडी अमित कुमार और जीएम टेक्नॉलाजी वाय श्रीनिवास भी मौजूद थे। बिलासपुर प्रदेश का पहला निकाय है जिसने साल भर पहले कछार स्थित कचरा निबटान संयंत्र की छत पर सोलर पैनल लगाकर बिजली उत्पादन शुरू किया। सोलर प्लांट से करीब 100 किलोवाट बिजली का उत्पादन हो रहा है। इससे बिजली बिल में 50 फीसदी की बचत हो रही है। कंपनी ने कछार में 25 एकड़ में 35 करोड़ की लागत पर मशीनें लगाई है। कंपनी को कम से कम 2 मेगावाट बिजली कचरे से बनाना होगा।

36 स्मार्ट शहरों ने तैयार किया था डीपीआर

रामकी कछार स्थित प्लांट में 100 किलोवाट बिजली का उत्पादन कर रहा।

स्मार्ट शहरों को एकीकृत सालिड वेस्ट मैनेजमेंट के अंतर्गत कचरे से गैस और आरडीएफ तैयार करने के लिए डीपीआर तैयार करने कहा गया। इस संबंध में देश के 84 स्मार्ट शहरों ने आवेदन किया, पर 36 शहरों की ओर से ही डीपीआर तैयार किया गया। स्मार्ट सिटी मिशन का लक्ष्य है कि स्मार्ट शहर कचरे से बायो गैस तथा आरडीएफ तैयार करें ताकि इससे ऊर्जा की बचत हो सके।

सर्द हवाओं से उत्तर छत्तीसगढ़ में कड़ाके की ठंड

रायपुर, एजेंसी।

छत्तीसगढ़ में एक बार फिर मौसम ने करवट ली है। गुरुवार को रायपुर में अचानक रात में ठंड बढ़ गई। वहीं, बस्तर में 3.1 मिली मीटर बारिश दर्ज की गई। मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक मौसम में नमी आने के कारण 10 फरवरी से प्रदेश के बस्तर, दुर्ग, और रायपुर संभाग में बारिश के आसार हैं। 11 फरवरी को मौसम विभाग ने यलो अलर्ट भी जारी किया है।

उत्तरी सर्द हवाओं के कारण सरगुजा संभाग में कड़ाके की ठंड की वापसी हो गई है। कोरिया जिले के सोनहत में सुबह पाला पड़ा हुआ दिखा। गुरुवार को अंबिकापुर में न्यूनतम तापमान 8.4 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। वहीं, 31.6 डिग्री के साथ कोरबा सबसे गर्म रहा। अगले 4 दिन तक रायपुर, दुर्ग और बस्तर संभाग के जिलों में हल्की बूदां-बांदी के आसार हैं।

गुरुवार रात रायपुर में बढ़ी ठंड

रायपुर में गुरुवार को शाम के बाद से रात के तापमान में अचानक बदलाव हुआ। ठंडी हवाएं चलने लगीं, जिससे रात के तापमान में गिरावट दर्ज की गई। यहां न्यूनतम तापमान 18.3 डिग्री रहा। । दिन का तापमान 28 डिग्री रिकॉर्ड किया गया, जो औसत तापमान से 2 डिग्री कम रहा।

बिलासपुर में रात का पारा गिरा

बिलासपुर में रात का पारा 1 डिग्री गिरा। बुधवार रात का तापमान 17.8 डिग्री था जो गुरुवार को गिरकर 16.6 पहुंच गया। वहीं, अधिकतम तापमान 30.6 डिग्री दर्ज किया गया जो औसत से 3 डिग्री ज्यादा रहा।

दुर्ग में गिरा दिन का टेंप्रेचर

दुर्ग में रात का पारा 2 डिग्री गिरा है। गुरुवार को 28.2 डिग्री रिकार्ड किया गया। वहीं, रात का तापमान 16 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। यहां दिन का तापमान औसत से 1 डिग्री कम रहा। रात का तापमान औसत से 1 डिग्री ज्यादा है।

सोनहत में पाला

उत्तरी सर्द हवाओं के कारण छत्तीसगढ़ के सरगुजा संभाग में कड़ाके की ठंड की वापसी हो गई है। कोरिया जिले के सोनहत में सुबह पाला पड़ा हुआ दिखा। सोनहत में न्यूनतम तापमान 4 डिग्री दर्ज किया गया है। सुबह सात बजे तक खेत-खलिहानों एवं मैदानों में पाले पड़े दिखे। कई सालों बाद फरवरी में इतनी ठंड पड़ी है।

सरगुजा संभाग में गिर रहा रात का तापमान

मौसम विभाग के मुताबिक सरगुजा संभाग के जिलों में रात के तापमान में गिरावट का दौर जारी है। बुधवार को सरगुजा में 11.4 डिग्री रिकॉर्ड किया था जो गिरकर 8.4 डिग्री रहा गया। कोरिया में भी पारा 11. 4 से गिरकर 9.1 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं, सरगुजा में अधिकतम तापमान 25 डिग्री रहा।

सामरीपाट में न्यूनतम तापमान 4.6 डिग्री दर्ज

सरगुजा संभाग के पाट क्षेत्रों में भी कड़ाके की ठंड पड़ रही है। दो दिन से चल रही सर्द हवाओं के कारण सामरीपाट में न्यूनतम तापमान 4.6 डिग्री दर्ज किया गया है। मैनपाट में न्यूनतम तापमान 5 डिग्री के करीब है। सर्द हवाओं के कारण दिन में धूप के बावजूद ठंड का अहसास हो रहा है।

जगदलपुर में रात का पारा औसत से 5 डिग्री ज्यादा

जगदलपुर में दिन और रात के तापमान में लगातार बढ़ोतरी रिकॉर्ड की जा रही है। यहां रात का तापमान 19 डिग्री रहा जो औसत से 5 डिग्री ज्यादा रहा। वहीं, दिन का तापमान 30.4 डिग्री रहा, जो औसत से 3 डिग्री ज्यादा है।

पेंड्रा में गिरा दिन और रात का तापमान

गुरुवार को पेंड्रा में दिन और रात का तापमान औसत से 3 डिग्री कम रहा है। पेंड्रा में दिन का तापमान 24.4 डिग्री रहा, वहीं रात का तापमान 10.6 डिग्री रहा।

भूमिहीन खेतिहर मजदूरों को मिलेगी 10 हजार की सालाना मदद

उद्यम क्रांति योजना शुरू की जाएगी, छत्तीसगढ़ आर्थिक सलाहकार परिषद का गठन होगा

रायपुर, एजेंसी।

छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने शुक्रवार को विधानसभा में एक लाख 47 हजार 500 करोड़ का बजट पेश किया। बजट का थीम अमृतकाल की नींव और GREAT CG पर है। सरकार ने छत्तीसगढ़ को 2047 तक विकासशील से विकसित राज्य बनाने के लिए 1 नवंबर 2024 तक विजन डॉक्यूमेंट अमृत काल-छत्तीसगढ़ विजन @ 2047 तैयार किया जाएगा।

साय सरकार के पहले बजट में राज्य की GDP को 5 लाख करोड़ से अगले 5 साल में 10 लाख करोड़ तक ले जाने का टारगेट रखा गया है। इसके लिए आधारभूत रणनीतिक स्तंभ के रूप में फंडामेंटल स्ट्रैटेजिक 10 स्तंभ तय किए गए हैं। बजट में छत्तीसगढ़ उद्यम क्रांति योजना, दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर योजना का ऐलान किया गया है। इसके साथ ही आर्थिक सलाहकार परिषद का गठन होगा।

हमने ही बनाया है और हम ही संवारेंगे

बजट भाषण देते हुए वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि 1 नवंबर 2000 को छत्तीसगढ़ अटल बिहारी वाजपेई ने बनाया था और इसी 1 नवंबर को इसी साल 2024 में यह विजन डॉक्यूमेंट अमृत काल छत्तीसगढ़ विजन एट 4047 होगा। उसे हम जनता को समर्पित करने का काम करेंगे। हमने ही बनाया है और हम ही संवारेंगे। यह छत्तीसगढ़ की जनता के प्रति हमारा कमिटमेंट है, हमारी सरकार की प्रतिबद्धता है।

छत्तीसगढ़ की GDP अगले 5 साल में डबल करेंगे

वित्त मंत्री ने बजट भाषण में कहा कि 2047 के दीर्घकालिक विजन तक पहुंचने से पहले हमें मध्यम अवधि के मिडिल टारगेट बनाने होंगे। हम तय कर रहे हैं कि 2047 तक हमारा छत्तीसगढ़ विकसित छत्तीसगढ़ होगा। उसे लक्ष्य तक पहुंचाने के लिए मिडिल टर्म टारगेट क्या होगा वह हम निर्धारित करने का प्रयास कर रहे हैं।

मोदी जी ने देश की अर्थव्यवस्था के लिए मध्य अवधि टारगेट के रूप में पांच ट्रिलियन और 10 ट्रिलियन इकोनॉमी का लक्ष्य रखा है। उन्होंने अगले 5 सालों के लिए भारत को तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बनाने का टारगेट रखा है। हम भी इसी तरह का मध्य अवधि लक्ष्य निर्धारित करना चाहते हैं। आज हमारे छत्तीसगढ़ की GDP लगभग 5 लाख करोड़ है, जिसे आने वाले 5 साल में 2028 तक 10 लाख करोड़ करना हमारा महत्वाकांक्षी लक्ष्य है।

GYAN- हमारे आर्थिक विकास के केंद्र बिंदु

GYAN यानी नॉलेज। इसमें नॉलेज तो होगा ही लेकिन इसका अर्थ है- G-गरीब, Y-युवा, A-अन्नदाता और N- नारी। GYAN के माध्यम से गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी को प्रदेश के आर्थिक विकास में सहभागी बनाएंगे। क्योंकि पिछले 5 सालों में पिछली सरकार ने इन चारों समूहों के साथ अन्याय किया है।

तकनीक आधारित रिफॉर्म और सुशासन से तीव आर्थिक विकास

उच्च स्तर पर हम शासन प्रशासन में तकनीक के इस्तेमाल पर जोर देंगे। जिससे समस्याओं का तीव्र समाधान होगा। इससे हम मोदी जी के न खाऊंगा, ना खाने दूंगा की भावना को चरितार्थ कर पाएंगे। पिछली सरकार ने कोयले पर तकनीक आधार ऑनलाइन रॉयल्टी सिस्टम हटाकर लाल फीताशाही आधारित सिस्टम लागू किया था। हमारी सरकार प्रशासनिक कामकाज में मैन्युअल हस्तक्षेप पर रोक लगाएगी। तकनीक के आधार पर सरकार के खजाने के लीकेज को रोकेंगे।

तमाम चुनौतियों के बीच अधिकाधिक पूंजीगत व्यय सुनिश्चित करना

अधिकतम कैपेक्स पूंजीगत व्यय को अधिक सुनिश्चित करना किसी भी विकासशील अर्थव्यवस्था की उच्च विकास दर के लिए पूंजीगत व्यय को आधार स्तंभ माना जाता है। आर्थिक अध्ययन कहता है कि 100 रुपए का पूंजीगत व्यय से तो त्नष्ठक्क में 247 रुपए की वृद्धि होती है। इसलिए विकासशील अर्थव्यवस्था के लिए बहुत जरूरी होता है कि उसके कैपेक्स में अधिक से अधिक बढ़ोतरी की जाए।

प्राकृतिक संसाधनों का उचित इस्तेमाल

हमर छत्तीसगढ़ प्राकृतिक संसाधनों से भरा हुआ है। इन संसाधनों का सुनियोजित उपयोग करते हुए, उससे होने वाले लाभ का छत्तीसगढ़ के लोगों के बीच न्याय पूर्ण वितरण सुनिश्चित करना इस रणनीति का हिस्सा होगा।

अर्थव्यस्था के सेवा क्षेत्र की नई संभावनाओं पर जोर

छत्तीसगढ़ के प्राकृतिक सौंदर्य के अनुरूप ईको टूरिज्म सर्किट विकसित करने, 5 शक्ति पीठ विकसित कर धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देना, IT सेक्टर की स्थापना करना, हेल्थ डेस्टिनेशन, वेडिंग डेस्टिनेशन, बिजनेस टूरिज्म कॉन्फ्रेंस डेस्टिनेशन जैसी नई उभरती संभावनाओं का लाभ प्रदेश को मिल सके। इसके लिए रोड मैप तैयार करेंगे।

सरकार की सारी क्षमताओं के अतिरिक्त निजी निवेश सुनिश्चित करना

छत्तीसगढ़ में आधुनिक आर्थिक दर्शन के अनुरूप रेड टेपिज्म की जगह रेड कार्पेट की निवेश संस्कृति का विकास करेंगे। मॉर्डन इकोनॉमी फिलॉसफी जैसे मिनिमम गवर्मेंट, मैक्सिमम गवर्नेंस, EoDB ईज ऑफ डूइंग बिजनेस, ईज ऑफ लिविंग, सिंगल विंडो प्रणाली, ऑनलाइन परमिशन, मिनिमम परमिशन जैसी व्यवस्थाओं को बढ़ावा देंगे।

बस्तर-सरगुजा की ओर भी देखो

पिछले 5 सालों में बस्तर सरगुजा क्षेत्र आर्थिक विकास की दृष्टि से अछूते रहे हैं। इन क्षेत्रों की एयर कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए सार्थक पहल की जाएगी। ईको टूरिज्म डेस्टिनेशन, नेचुरोपैथी डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने के प्रयास किए जाएंगे।

बस्तर क्षेत्र में लघु वन उपज के प्रसंस्करण के लिए उद्योगों की स्थापना की जाएगी। सरगुजा क्षेत्र में उद्यानिकी, मछली पालन जैसी संभावनाओं को प्रोत्साहित किया जाएगा।

डिसेंट्रलाइज्ड डेवलपमेंट पॉकेट्स

छत्तीसगढ़ के उत्तरी उत्तरी, मध्य मैदानी भाग और दक्षिणी भाग की अलग-अलग आर्थिक विशेषताएं हैं। इन विशिष्ठाओं के अनुरूप तीव्र आर्थिक विकास की विकेंद्रीकृत नीति पर काम करेंगे। विकेंद्रीकृत विकास पॉकेट के आधार पर काम करेंगे। रायपुर भिलाई जैसे क्षेत्र की अपनी अलग विशेषता है। इसलिए इसके आसपास स्टेट कैपिटल रीजन बनाएंगे।

छत्तीसगढ़ी संस्कृति का विकास एक छत्र राज होने के बावजूद कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण नहीं किया। यह काम किया तो अटल बिहारी वाजपेई ने। आने वाले समय में छत्तीसगढ़ की भाषा, तीज त्योहार, संस्कृति-साहित्य सभी को आगे बढ़ने का काम बीजेपी की सरकार करेगी।

क्रियान्वयन का महत्व

''उद्यमेन हि सिध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः।
न हि सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगाः।।''

वित्त मंत्री ने ये श्लोक पढ़ते हुए कहा कि कोई कितना भी बलशाली हो, उसके मुख पर मृग स्वयं नहीं आ जाता। उसे अगर हिरण का शिकार करना है तो मेहनत करनी पड़ती है। बिना मेहनत के कोई काम पूरा नहीं होता। प्रतिबद्धता, समर्पण के साथ क्रियान्वयन हमारी रणनीति का अहम हिस्सा है।

पिछली सरकार ने नया छत्तीसगढ़ का ख्याली पुलाव परोसा और नतीजा बोरबो छत्तीसगढ़ रहा। हम गढ़बो से पहले करबो पर ध्यान देंगे।

छत्तीसगढ़ उद्यम क्रांति योजना शुरू की जाएगी

युवाओं के लिए छत्तीसगढ़ उद्यम क्रांति योजना 2024-25 इसी वित्तीय वर्ष से शुरू की जाएगी। इसी बजट में इसका प्रावधान किया गया है। स्टेट कैपिटल रीजन के विकास की योजना तैयार करने के लिए इस बजट में 5 करोड़ रुपए का प्रावधान है। इन्वेस्ट इंडिया की तर्ज पर इन्वेस्ट छत्तीसगढ़ आयोजित करने के लिए इस बजट में प्रावधान किया गया है।

मोदी की गारंटी के तहत शक्तिपीठ परियोजना का डीपीआर और निर्माण कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए 5 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

छत्तीसगढ़ आर्थिक सलाहकार परिषद का गठन होगा

आर्थिक विकास की गति को बढ़ाने के लिए काम करेंगे। इस प्रक्रिया में, कई विशेष संस्थानों के परामर्श की जरूरत होगी। देश और दुनिया में चलने वाली बेस्ट प्रैक्टिस को अपनाने के लिए पहल करेंगे। इस पूरे नॉलेज प्रोसेस को एक संस्थागत स्वरूप देने के लिए छत्तीसगढ़ आर्थिक सलाहकार परिषद का गठन किया जाएगा।

दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर योजना का ऐलान

सरकार ने भूमिहीन खेतिहर मजदूरों को 10 हजार रुपये की वार्षिक सहायता देने के लिए दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर योजना इसी साल से लागू करने का ऐलान किया है। इसके लिए बजट में 5 सौ करोड़ का प्रावधान किया गया है।

मोतियाबिंद ऑपरेशन के बाद गई महिला की आंखों की रोशनी, उपभोक्ता फोरम ने डॉक्टर पर 8 लाख छतिपूर्ति और 2 लाख का लगाया जुर्माना

जगदलपुर, एजेंसी।

जगदलपुर के एमपीएम हॉस्पिटल में मोतियाबिंद के ऑपरेशन के बाद एक महिला की आंखों की रोशनी चली गई है। महिला ने उपभोक्ता फोरम में शिकायत की थी। जिसके बाद अब महिला डॉक्टर पर 8 लाख रुपए की छतिपूर्ति और 2 लाख रुपए का अर्थदंड लगाया है। जिसमें से 1 लाख रुपए की राशि जिला उपभोक्ता कल्याण कोष में जमा करवाई जाएगी।

साल 2017 में जगदलपुर के अनुपमा चौक में रहने वाली रजनी जैन को बाईं आंख में कुछ तकलीफ हो रही थी। जिस पर महिला आंखों की जांच के लिए एमपीएम अस्पताल पहुंची थी। यहां आंखों की जांच के बाद मोतियाबिंद की शिकायत मिली। जिसके बाद डॉक्टर ने ऑपरेशन करवाने को कहा।

आंखों की पट्टी खुली तो कुछ दिखाई नहीं दिया

महिला ऑपरेशन के लिए राजी हुई। ऑपरेशन के बाद जब आंखों की पट्टी खुली तो उसे कुछ दिखाई नहीं दे रहा था। आंखों की रोशनी चली गई थी। जिसके बाद महिला ने इसके बारे में डॉक्टर को बताया। फिर डॉक्टर ने एक दवा दी और उसे आंखों में डालने को कहा। लेकिन, फिर भी महिला को आराम नहीं मिला।

शिकायत पाई गई सही

जिसके बाद परिजन महिला को विशाखापट्टनम लेकर गए। जहां जांच के बाद डॉक्टरों ने बताया कि ऑपरेशन के वक्त लापरवाही हुई थी। जिससे आंखों की रोशनी चली गई है। महिला ने डॉक्टर सरिता थॉमस के खिलाफ उपभोक्ता फोरम में शिकायत की। जिसके बाद दोनों पक्षों की बातें सुनकर आयोग ने महिला की शिकायत सही मानी और फैसला सुनाया।

छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस के एसी कोच में लगी आग

बिलासपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म-2 की घटना, शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका

बिलासपुर, एजेंसी।

बिलासपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म-2 में छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस के एसी कोच के बोगी में अचानक आग लग गई। जिससे स्टेशन परिसर में यात्रियों के बीच हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे आरपीएफ के जवान और रेलवे अधिकारियों ने आग पर काबू पा लिया है।

जानकारी के मुताबिक, सुबह 6 बजे छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस कोरबा के लिए रवाना होने के लिए प्लेटफार्म नंबर 2 में खड़ी थी। तभी एसी कोच एमव्ही में अचानक आग की लपटें उठाने लगी। आग की वजह से कोच के सीट, बेडरोल पूरी तरह जलकर खाक हो गए।

शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका

बताया जा रहा है कि, स्टेशन में अचानक लाइट बंद हुई थी। जिसके बाद कोच से धुंआ उठने लगा। प्रथम दृष्टया आग लगने की मुख्य वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है। फिलहाल पूरी घटना की जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि आगजनी की मुख्य वजह क्या रही, फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

दिव्य आकाश

सुविचार

दूर तक की सोच, बड़ी सोच आपको मंजिल दिलाएगी।
अजीत वसंत आईएएस

कोरबा से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रथम बहुरंगी साप्ताहिक अखबार

कोरबा, शुक्रवार दिनांक 09 से 15 फरवरी 2024

महतारी वंदन योजना का लाभ दिलाने स्वयं लगे आरती-विकास अग्रवाल

कोरबा (दिव्य आकाश)।

पूरे जिले में इन दिनों महतारी वंदन योजना का लाभ दिलाने जन प्रतिनिधि एवं जिला प्रशासन मुस्तैद है। प्रदेश की विष्णुदेव साय सरकार ने महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ी योजना लाई है, जिसके तहत सभी महिलाओं को हर महीना एक हजार और साल का 12 हजार सौगात के तौर पर देगी। वरिष्ठ भाजपा नेता एवं व्यापार प्रकोष्ठ भाजपा के जिला संयोजक पूर्व पार्षद विकास अग्रवाल ने इस योजना के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताते हुए कहा कि प्रदेश में मोदी गारंटी की लहर से प्रदेश में भाजपा की सरकार आई और मोदी गारंटी को पूरा करने विष्णुदेव साय के नेतृत्व में केबिनेट प्रयासरत है।

आज वार्ड 02 साकेत नगर अंतर्गत गेरवा घाट बस्ती में महतारी वंदना योजना शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 452 पात्र माताओं ने फार्म जमा किया। इस शिविर में मुख्य रूप से आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सुधा पटेल, गंगा गुप्ता पूर्णिमा सिंह एवं वार्ड की 2 बिटिया समीक्षा पटेल एवम दीप कुंवर, विजय निर्मकलकर रविन्द्र शर्मा, संजय निर्मलकर,संजय गुप्ता, तारकेश्वर तिवारी, रिंकू राय, अनिल गुप्ता,सरिता दास, मितानिन गायत्री एवं रविना का अभूतपूर्व सहयोग प्राप्त हुआ। महिलाओं में इस योजना को लेकर बहुत उतसाह देखने को मिल रहा है। पार्षद श्रीमती आरती विकास अग्रवाल शिविर में पहुंच कर वार्ड की सभी महिलओं को इस योजना का लाभ लेने प्रोत्साहित कर रही हैं, वहीं विकास अग्रवाल फार्म भरने में स्वयं लगे हुए दिखे एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का सहयोग लेकर वार्ड की सभी महिलाओं को इस योजना से जोड़ रहे हैं, ताकि सभी महिलाओं को पारिवारिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में सार्थक पहल हो सके।

माघी पुन्नी मेला अब हुआ राजिम कुंभ

साय सरकार ने बदला नाम, 24 फरवरी से 8 मार्च तक आयोजन; पं. प्रदीप मिश्रा-धीरेंद्र शास्त्री भी आएंगे

रायपुर (एजेंसी)।

राजिम माघी पुन्नी मेला अब राजिम कुंभ (कल्प) के नाम से जाना जाएगा। छत्तीसगढ़ की साय सरकार ने नाम बदल दिया है। कैबिनेट में इसका फैसला लिया गया। साय सरकार के मंत्रियों की कैबिनेट बैठक शुक्रवार को विधानसभा में रखी गई थी। सरकार ने राजिम कुंभ (कल्प) मेले को फिर से शुरू करने का निर्णय लिया है। जिसका आयोजन 24 फरवरी से 8 मार्च तक होगा।

इस बैठक में राजिम के सांस्कृतिक और ऐतिहासिक वैभव को फिर से स्थापित करने के लिए इस फैसले को जरूरी बताया गया है। कैबिनेट बैठक में जल की शुद्धता बनाए रखने के लिए भारत सरकार की ओर से जल संशोधन विधेयक 2023 के संबंध में विधानसभा में संकल्प लाने का निर्णय लिया गया।

24 फरवरी से आयोजन

धर्मस्व एवं धार्मिक न्यास, संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने बताया कि राजिम कुंभ कल्प का आयोजन 24 फरवरी से 8 मार्च तक होगा। हाल ही में मंत्री ने गरियाबंद, रायपुर, धमतरी जिले के अधिकारी कर्मचारी सहित जनप्रतिनिधि और मेला समिति के सदस्यों के साथ बैठक की है।

राजिम कुंभ कल्प को इस बार रामोत्सव के रूप में मनाने की तैयारी है। सरकारी अधिकारियों को निर्देश हैं कि आयोजन में राजिम कुंभ की भव्यता दिखे। मेले में इस दौरान तीन पुण्य स्नान होंगे। देशभर से बड़ी संख्या में नागा साधु संत भी कुंभ में आयेंगे।

भाजपा की सरकार आने से पहले कांग्रेस के कार्यकाल में राजिम कुंभ का नाम बदलकर माघी पुन्नी मेला कर दिया गया था। अब भाजपा की सरकार पांच साल बाद राजिम कुंभ को भव्यता से आयोजित करने जा रही है।

देश के मशहूर संत आएंगे

राजिम के मेले में विश्वस्तरीय साधु संतों में बागेश्वर धाम के बाबा पंडित धीरेंद्र शास्त्री, पंडित प्रदीप मिश्रा भी आयेंगे। दोनों ही संतों को मानने वाले करोड़ों लोग हैं। रायपुर में पिछले दिनों हुए दोनों ही संतों के कार्यक्रमों में 7 से 8 लाख लोग पहुंचे थे।

सड़कों को तैयार करने के निर्देश

मंत्री अग्रवाल ने पीडब्ल्यूडी अधिकारी से तैयारी की जानकारी ली है। उन्होंने रायपुर से गरियाबंद निर्माणाधीन सड़क सहित छुरा, जतमई, घटारानी, धमतरी सड़क एवं राजिम महासमुंद जाने वाले सड़कों में चल रहे कार्यों की जानकारी लेकर निर्माण कार्यों को पूर्ण कर चलने लायक बनाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही सड़कों में उड़ने वाले धूल से बचाव के लिए लगातार पानी भी छिड़काव करने के निर्देश दिए।

बिजली विभाग कुंभ मेला के दौरान लाइटिंग, ट्रांसफॉर्मर, जनरेटर की व्यवस्था, सजावट, पुल पुलिया में रोशनी का बंदोबस्त करेगा। पीएचई विभाग को मेला स्थल में पर्याप्त जलापूर्ति करने और लगभग 300 शौचालय निर्माण के निर्देश दिए गए हैं। वन विभाग से पर्याप्त जलाऊ लकड़ी, झोपड़ी निर्माण, यज्ञ के लिए आवश्यक लकड़ी व्यवस्था करने को कहा गया है।

नरसिम्हा राव, चौधरी चरण सिंह और स्वामीनाथन को भारत रत्न

पीएम मोदी ने जानकारी दी, चरण सिंह के पोते जयंत चौधरी ने लिखा- दिल जीत लिया

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केंद्र सरकार ने पीवी नरसिम्हा राव, चौधरी चरण सिंह और एमएस स्वामीनाथन को भारत रत्न (मरणोपरांत) देने की घोषणा की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीनों शख्सियतों को देश का सबसे बड़ा नागरिक सम्मान देने की जानकारी सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरों के साथ शेयर की।

चौधरी चरण सिंह देश के पांचवें और नरसिम्हा राव नौवें प्रधानमंत्री थे। वहीं कृषि वैज्ञानिक स्वामीनाथन को हरित क्रांति का जनक कहा जाता है। पीएम की घोषणा पर चौधरी चरण सिंह के पोते और राष्ट्रीय लोकदल के प्रमुख जयंत चौधरी ने लिखा- दिल जीत लिया।

2014 में सत्ता संभालने के बाद से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा दिया गया यह दसवां भारत रत्न है। इससे पहले 3 फरवरी को भाजपा के वयोवृद्ध नेता लालकृष्ण आडवाणी और 23 जनवरी को बिहार के पूर्व सीएमकर्पूरी ठाकुर (मरणोपरांत) को भारत रत्न देने का ऐलान किया गया।

इस तरह इस साल 5 हस्तियों को यह सम्मान देने का ऐलान हो चुका है। इनके अलावा मोदी के कार्यकाल में मदन मोहन मालवीय, अटल बिहारी वाजपेयी, प्रणब मुखर्जी, भूपेन हजारिका और नानाजी देशमुख को यह सम्मान मिल चुका है। आज की तीन हस्तियों को मिलाकर इस सम्मान को हासिल करने वालों में अब तक कुल 53 लोग शामिल हो चुके हैं।

चौधरी चरण सिंह

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर लिखा- हमारी सरकार का यह सौभाग्य है कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न से सम्मानित किया जा रहा है। यह सम्मान देश के लिए उनके अतुलनीय योगदान को समर्पित है। उन्होंने किसानों के अधिकार और उनके कल्याण के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया था।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे हों या देश के गृहमंत्री और यहां तक कि एक विधायक के रूप में भी, उन्होंने हमेशा राष्ट्र निर्माण को गति प्रदान की। वे आपातकाल के विरोध में भी डटकर खड़े रहे। हमारे किसान भाई-बहनों के लिए उनका समर्पण भाव और इमरजेंसी के दौरान लोकतंत्र के लिए उनकी प्रतिबद्धता पूरे देश को प्रेरित करने वाली है।

पीवी नरसिम्हा राव

पीएम मोदी ने लिखा- प्रधानमंत्री के रूप में नरसिम्हा राव गारू का कार्यकाल महत्वपूर्ण उपायों द्वारा चिह्नित किया गया था, जिसने भारत को वैश्विक बाजारों के लिए खोल दिया, जिससे आर्थिक विकास के एक नए युग को बढ़ावा मिला।

इसके अलावा, भारत की विदेश नीति, भाषा और शिक्षा क्षेत्रों में उनका योगदान एक ऐसे नेता के रूप में उनकी बहुमुखी विरासत को रेखांकित करता है, जिन्होंने न केवल महत्वपूर्ण परिवर्तनों के माध्यम से भारत को आगे बढ़ाया बल्कि इसकी सांस्कृतिक और बौद्धिक विरासत को भी समृद्ध किया।

डॉ. एमएस स्वामीनाथन

पीएम मोदी ने लिखा- यह बेहद खुशी की बात है कि भारत सरकार कृषि और किसानों के कल्याण में हमारे देश में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए डॉ. एमएस स्वामीनाथन जी को भारत रत्न से सम्मानित कर रही है।

उन्होंने चुनौतीपूर्ण समय के दौरान भारत को कृषि में आत्मनिर्भरता हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और भारतीय कृषि को आधुनिक बनाने की दिशा में उत्कृष्ट प्रयास किए। हम एक अन्वेषक और संरक्षक के रूप में और कई छात्रों के बीच सीखने और अनुसंधान को प्रोत्साहित करने वाले उनके अमूल्य काम को भी पहचानते हैं।

डॉ. स्वामीनाथन के दूरदर्शी नेतृत्व ने न केवल भारतीय कृषि को बदल दिया है बल्कि देश की खाद्य सुरक्षा और समृद्धि भी सुनिश्चित की है। वह ऐसे व्यक्ति थे जिन्हें मैं करीब से जानता था और मैं हमेशा उनकी अंतर्दृष्टि और इनपुट को महत्व देता था।

इनके अलावा कर्पूरी ठाकुर, लालकृष्ण आडवाणी, चौधरी चरण सिंह, पीवी नरसिम्हा राव और एमएस स्वामीनाथन को अभी भारत रत्न देने की जानकारी दी गई है।

इनके अलावा कर्पूरी ठाकुर, लालकृष्ण आडवाणी, चौधरी चरण सिंह, पीवी नरसिम्हा राव और एमएस स्वामीनाथन को अभी भारत रत्न देने की जानकारी दी गई है।

तीनों शख्सियतों को भारत रत्न मिलने पर किसने क्या कहा...

जयंत चौधरी- मजा आ गया! बहुत बड़ा दिन है, मेरे लिए भावुक पल है, यादगार है। मैं राष्ट्रपति जी, केंद्र सरकार और विशेष तौर पर प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद देता हूं। बहुत बड़ा संदेश पूरे देश में गया है। देश की भावनाएं सरकार के इस फैसले से जुड़ी हुई हैं। पीएम मोदी ने साबित किया है कि वे देश की भावनाओं और चरित्र को बखूबी समझते हैं। एनडीए में जाने के सवाल पर उन्होंने कहा- मैं किस मुंह से इनकार करूं। क्या अब कोई कसर बाकी है? मोदी ने दिल जीत लिया।

शिक्षा विभाग के 4 अधिकारी सस्पेंड

बिना टेंडर कोविड काल में 50 करोड़ के सामान खरीदे गए; सरकार कराएगी खर्च की जांच

रायपुर (एजेंसी)।

बिना टेंडर किए करोड़ों की सामग्री खरीदी करने वाले 4 जिला शिक्षा अधिकारियों को स्कूल शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने सस्पेंड कर दिया है। विधानसभा में बीजेपी विधायक धरमलाल कौशिक ने भ्रष्टाचार का ये मामला सदन में उठाया था, जिसके बाद सदन से ही मंत्री ने कार्रवाई की घोषणा की है।

धरमलाल कौशिक ने प्रश्नकाल के दौरान पूछा कि क्या छत्तीसगढ़ भंडार क्रय नियम में एनसीसीएफ, नेकाफ, केंद्रीय भंडार और स्व सहायता समूह से बिना ख़रीदी करने की छूट दी गई है? उन्होंने बिना टेंडर के करीब 50 करोड़ की सामग्री खरीदी की जांच की मांग की। जिसके बाद स्कूल शिक्षा मंत्री ने तत्कालीन जिला शिक्षा अधिकारी विनोद कुमार राय, पीएस एल्मा, प्रमोद ठाकुर और राजेश मिश्रा को सस्पेंड किया है।

क्या था पूरा मामला

दरअसल ये पूरा मामला साल 2020 से 2023 के बीच का है। कोरोना काल के दौरान बिना टेंडर के 5 जिले बस्तर, बीजापुर, कोंडागांव, मुंगेली और सूरजपुर जिले में जिला शिक्षा अधिकारियों ने नियमों को दरकिनार कर करोड़ों की सामग्री खरीदी की थी। जिस पर भ्रष्टाचार की आशंका जताई गई। सदन में मामला उठाए जाने के बाद विभागीय मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि वास्तव में ये खरीदी 36 करोड़ 51 लाख 87,918 रुपए की है और वह 5 जिलों की खरीदी है।

मंत्री ने ये बात मानी कि खरीदी के लिए इंडस्ट्री डिपार्टमेंट से डीईओ को छूट लेनी थी। जिसे नहीं ली गई। उन्होंने कहा कि कोरोना काल था इसलिए कलेक्टर की अनुमति से इमरजेंसी में इन्होंने खरीदी की है। इतनी बड़ी खरीदी करने के लिए जिस प्रकार के नियमों का पालन करना चाहिए जिनकी अनुमति लेना चाहिए, वह अनुमतियां नहीं ली गई है।

इसलिए इसके लिए यह भी माना गया है कि जो पांच जिला शिक्षा अधिकारी है। सूरजपुर, मुंगेली, बस्तर, बीजापुर, कोंडागांव इन 5 जगह पर 36 करोड़ रुपए की लगभग खरीदी की गई और उनको यह माना गया कि उन्होंने बिना अनुमति के खरीदी की गई। इसलिए वह दोषी है और उसमें से बस्तर जिला शिक्षा अधिकारी को सस्पेंड किया गया है। दो जिला शिक्षा अधिकारी जो है, उनके खिलाफ में जांच चल रही है और दो के खिलाफ में जांच प्रस्तुत करने के कार्रवाई की जा रही है।

इन जिलों में हुआ भ्रष्टाचार

सदन में मंत्री द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक सूरजपुर जिले में 11 करोड़ 36 लाख 34 हजार 730 की खरीदी की गई। मुंगेली जिले में 99 लाख 95 हजार 151 रुपए की खरीदी की गई थी। बस्तर जिला जहां पर 20 करोड़ 45 लाख 48 हजार 480 की खरीदी की गई। इसके बाद बीजापुर जिले में 53 लाख 64 हजार 759 रुपए और कोंडागांव जिले में 3 करोड़ 14 लाख 44 हजार 798 लाख रुपए की खरीदी की गई।

जाज्वल्यदेव लोक महोत्सव एवं एग्रीटेक कृषि मेला 2024 की तैयारी पूर्ण,मुख्यमंत्री करेंगे कार्यक्रम का शुभारंभ, कलेक्टर ने कार्यक्रम स्थल का लिया जायजा

जांजगीर-चांपा (दिव्य आकाश)।

कलेक्टर आकाश छिकारा ने शुक्रवार को जांजगीर-चांपा जिले में 10, 11 और 12 फरवरी को आयोजित होने वाले जाज्वल्यदेव लोक महोत्सव एवं एग्रीटेक कृषि मेला 2024 के सफल आयोजन के लिए हाईस्कूल मैदान जांजगीर कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। 10 फरवरी को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जाज्वल्यदेव लोक महोत्सव एवं एग्रीटेक कृषि मेला शुभारंभ करेंगे। कार्यक्रम की पूर्व संध्या पर अंतिम तैयारियों को लेकर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को सौंपे गए दायित्व अनुसार करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने सामुहिक विवाह स्थल, बैठक व्यवस्था, टेन्ट व्यवस्था, मेला स्थल, मीना बाजार, विद्युत व्यवस्था, पार्किंग, प्रवेश द्वार, निर्गम द्वार, विभिन्न विभागों व निजी संस्थानों द्वारा लगाए जाने वाले स्टाल की व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक तैयारियों का जायजा लेते हुए कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर ने सभी उपस्थित अधिकारियों को जाज्वल्यदेव लोक महोत्सव एवं एग्रीटेक कृषि मेला के गरिमामय आयोजन के लिए सौंपे गए दायित्व का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने के निर्देश दिए है। निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर एस पी वैद्य, संयुक्त

श्रीमती निशा नेताम मंडावी, डिप्टी कलेक्टर संदीप ठाकुर सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

गांव - गांव में पहुंचेगी एलईडी वैन, जन कल्याण कारी योजनाओं की दी जाएगी जानकारी

कलेक्टर छिकारा ने एलईडी वैन को दिखाई हरी झंडी

जांजगीर-चांपा (दिव्य आकाश)।

छत्तीसगढ़ सरकार की योजनाओं को जिले के सभी विकासखंडों एवं विभिन्न ग्राम पंचायतों तक पहुंचाने के लिए एलईडी वैन को शुक्रवार को रवाना कर दिया गया। यह एलईडी स्क्रीन वैन जनसंपर्क विभाग द्वारा शासन की योजनाओं की प्रभावी जानकारी आमजन तक पहुंचाने और लाभ लेने के लिए रवाना किया गया है। ताकि, शासन की योजनाओं की जानकारी गांव के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचें। वैन पर सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास और सबका प्रयास स्लोगन के साथ योजनाओं की जानकारी प्रदर्शित हैं। शुक्रवार को कलेक्ट्रेट परिसर में कलेक्टर आकाश छिकारा ने एलईडी स्क्रीन वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान अपर कलेक्टर श्रीमती लवीना पांडेय, डिप्टी कलेक्टर संदीप ठाकुर, सहायक संचालक जनसंपर्क जरीफ खान सहित संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे। एलईडी वैन जांजगीर चांपा जिले के सभी ब्लॉकों की ग्राम पंचायतों, हाट-बाजार में जाकर जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार करेगी।

मुख्यमंत्री साय 73 करोड़ 1 लाख 93 हजार रूपए के 437 विकास कार्यों का करेंगे लोकार्पण एवं भूमि पूजन

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय 10 फरवरी को जाज्वल्यदेव लोक महोत्सव एवं एग्रीटेक कृषि मेला 2024 का शुभारंभ कार्यक्रम के अवसर पर जांजगीर-चांपा जिले में विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन करेंगे। मुख्यमंत्री श्री साय द्वारा जिले में कुल 73 करोड़ 01 लाख 93 हजार रूपए की लागत के 437 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन करेंगे। इसमें 40 करोड़ 64 लाख 57 हजार की लागत के 227 कार्यों का भूमिपूजन एवं 32 करोड़ 37 लाख 36 हजार के 210 कार्यों का लोकार्पण शामिल हैं।

40 करोड़ 64 लाख 57 हजार की लागत के 227 कार्यों का भूमिपूजन -

प्राप्त जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा 40 करोड़ 64 लाख 57 हजार की लागत के 227 कार्यों का भूमिपूजन किया जाएगा। जिसमें लोक निर्माण विभाग के 2926.12 लाख रूपए की लागत के 16 कार्य, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग 130.12 लाख रूपए की लागत के 9 कार्य, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी के 615.98 लाख रूपए की लागत के 3 कार्य, शिक्षा विभाग के 100.64 लाख रूपए की लागत के 119 कार्य, योजना एवं सांख्यिकी विभाग के 291.71 लाख रूपए की लागत के 80 कार्य का भूमि पूजन किया जाएगा।

32 करोड़ 37 लाख 36 हजार के 210 कार्यों का लोकार्पण -

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा 32 करोड़ 37 लाख 36 हजार के 210 कार्यों का लोकार्पण किया जाएगा। जिसमें लोक निर्माण विभाग के 252.43 लाख रूपए की लागत के 2 कार्य, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत ग्रामीण यांत्रिकी सेवा 1111.10 लाख रूपए की लागत के 66 कार्य, जनपद पंचायत अकलतरा के 195.92 लाख रूपए की लागत के 12 कार्य, जनपद पंचायत बम्हनीडीह के 157.89 लाख रूपए की लागत के 19 कार्य, जनपद पंचायत बलौदा के 296.36 लाख रूपए की लागत के 27 कार्य, जनपद पंचायत नवागढ़ के 27.93 लाख रूपए की लागत के 3 कार्य, जनपद पंचायत पामगढ़ के 251.49 लाख रूपए की लागत के 43 कार्य, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग अंतर्गत के नगर पंचायत सरागांव के 14 लाख रूपए की लागत के 2 कार्य, नगर पालिका परिषद अकलतरा के 404.68 लाख रूपए की लागत के 13 कार्य, उर्जा विभाग 37.31 लाख रूपए की लागत के 7 कार्य, महिला एवं बाल विकास विभाग के 6.45 लाख रूपए की लागत की 1 कार्य, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के 410.68 लाख रूपए की लागत की 14 कार्य एवं राजस्व विभाग के 71.12 लाख रूपए की लागत की 1 कार्य का लोकार्पण करेंगे।

पाकिस्तान चुनाव

नवाज बोले- हमारे पास जनादेश, सब साथ आएं,सबसे ज्यादा 86 सीटें इमरान समर्थक जीते, 19 शहरों में पीटीआई का प्रदर्शन, एक की मौत

इस्लामाबाद , एजेंसी।

पाकिस्तान में नेशनल असेंबली और प्रांतीय चुनाव के लिए वोटिंग खत्म होने के बाद काउंटिंग जारी है। मतदान गुरुवार सुबह 8.30 बजे शुरू हुआ और शाम 5.30 बजे तक चला। चुनाव आयोग ने 18 घंटे की देरी के बाद आधिकारिक नतीजे घोषित करना शुरू किए।

पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में कुल 336 सीटें हैं। इनमें से 265 सीटों पर चुनाव हुए। एक सीट पर चुनाव टाल दिए गए हैं। बाकी सीटें रिजर्व हैं। सरकार बनाने के लिए 134 सीटों पर बहुमत होना जरूरी है। पाकिस्तान में मुख्य रूप से 3 पार्टियों के बीच मुकाबला है। इनमें पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ, और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी शामिल हैं।

आईएएस प्रकाश को परिवहन आयुक्त का अतिरिक्त प्रभार

रायपुर । छत्तीसगढ़ सरकार ने एस प्रकाश को परिवहन आयुक्त का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। एस प्रकाश के पास संसदीय कार्य विभाग और परिवहन विभाग के सचिव का अतिरिक्त प्रभार भी है। समाज कल्याण विभाग के आयुक्त होने के जिम्मा भी इन्हीं के पास है। सामान्य प्रशासन विभाग ने आदेश जारी किया है। दरअसल, इससे पहले परिवहन आयुक्त की जिम्मेदारी आईपीएस दीपांशु काबरा संभाल रहे थे।

सुविचार

जनता के प्रति जवाब देही सत्ता का केन्द्र बिन्दू होनी चाहिए।

सरोकार

ओपी चौधरी का ज्ञान

विष्णु देव सरकार का पहला बजट शुक्रवार को वित्तमंत्री ओपी चौधरी ने पेश कर छत्तीसगढ़ के ज्ञान पर फोकस किया है। जी-गरीब, वाय- यूथ,ए-अन्नदाता, एन-नारी अर्थात मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सारथी के रूप में ओपी चौधरी नजर आये और अपने बजट में चार वर्गों पर फोकस करते हुए प्रदेश की जीडीपी को 5 साल में दोगुना करने का लक्ष्य रखा। गरीबों को पांच साल मुफ्त अनाज, भूमिहीन किसानों को 10 हजार सालाना, किसानों के लिए तो पूरा खजाना ही खोल दिया। यूथ के लिए भी बड़ी घोषणाएं की गई है और शासकीय नौकरी के साथ स्वरोजगार पर भी बजट में फोकस किया गया है। यूं कहें तो ओपी चौधरी इस बजट के बाद यूथ आईकॉन बन गए हैं। उच्च शिक्षा के लिए विद्यार्थियों को आगे बढ़ने का जहां मौका मिलेगा, वहीं यूथ स्किल्ड बनेंगे। इसके अलावा अधोसंरचना विकास पर भी जोर दिया गया है। बिजली उपभोक्ता पशोपेश में थे कि नई सरकार आने के बाद क्या बिजली बिल हॉफ होगा। ओपी चौधरी ने जनता की नब्ज टटोली और मांग के पहले ही उनकी मांग पूरी हो गई और बजट में बिजली बिल हॉफ के लिए भी राशि रखी गई है। किसानों को समृद्ध बनाने सिंचाई परियोजनाओं को आगे बढ़ाने प्राथमिकता से बजट में जोड़ा गया है और कई बड़ी परियोजनाओं के लिए राशि रखी गई है। शिक्षा के साथ-साथ खेल को प्रोत्साहन देने पर बल दिया गया है। शहर से ज्यादा ग्रामीण क्षेत्रों के विकास पर बल दिया गया है। बस्तर और सरगुजा को प्राथमिकता दी गई है।

संपादक

संघर्षों का प्रतिफल स्वर्णिम भविष्य

प्यारे बच्चों!

इतिहास पलट कर देखो! इतिहास बनाने वाले आज प्रेरणा बनकर लाखों करोड़ों व्यक्तियों के जीवन को सुखमय बना रहे हैं। इतिहास वही लिखता है जो कड़ी मेहनत और संघर्षों में जीता है। अब फिर से परीक्षा की तारीख आने वाली है और सभी बच्चों को सिर्फ इस बात पर फोकस करना होगा कि हम अधिक से अधिक समय सिर्फ पढ़ाई पर ध्यान देंगे। समय कब निकलता है, पता ही नहीं चलता और समय आ गया है कड़ी मेहनत का।

अभी मेहनत करोगे और सुख सुविधा को छोड़कर सिर्फ पढ़ाई में ध्यान दोगे तो आने वाला समय सुखमय बितेगा। खेलने का समय भी अब नहीं रहा, लेकिन खेलना बिल्कुल बंद करना भी ठीक नहीं, क्योंकि खेल से सेहत अच्छी रहती है और समय रहते हमें सभी कार्यों को पूर्ण करना है। सबसे अधिक समय पढ़ाई पर दें। शिक्षा वह हथियार है, जिसके बल पर ही विद्यार्थी अपने भविष्य को स्वर्णिम बना सकते हैं। शिक्षा के बिना बेहतर कैरियर की परिकल्पना करना संभव नहीं है। आज शिक्षा के क्षेत्र में भी प्रतियोगिता बढ़ गई है और जीवन उसी का संवरेगा जो अपना प्रदर्शन श्रेष्ठ ही नहीं बल्कि सर्वश्रेष्ठ करेगा।

कुछ वर्ष पूर्व कोर्स में इतना बोझ नहीं था। विद्यार्थी को पढ़ने के लिए पर्याप्त समय मिलता था, खेल के लिए भी पर्याप्त समय रहता था, लेकिन आज के दौर में विद्यार्थियों के बस्ते में पहले से चार गुना पुस्तकों की संख्या बढ़ गई है और आधुनिक समय में बच्चों के पास पर्याप्त समय खेलने के लिए नहीं रहता, लेकिन समय खेलने के लिए तभी निकलेगा, जब आपका जीवन अनुशासित होगा। इसलिए दिनचर्या के लिए एक टाईम टेबल बना लें और सुबह उठने का समय, पढ़ने का समय, स्वल्पाहार करने का समय, स्कूल जाने का समय, स्कूल से आने के बाद कुछ समय खेल के लिए निकालें, उसके बाद पुन: अध्ययन के लिए निकालें। रात को सोते समय तक एक-एक मिनट के लिए अपना सिलेबस तैयार करें और परीक्षा के हिसाब से तैयारी करें।

पुस्तकों का कोई भी पाठ (लेसन) न छूटने पाए और जो लेसन समझ में न आये उसे स्कूल में अपने टीचर से पूछें। समस्या का समाधान जरूरी है, इसके लिए संकोच न करें, नहीं तो पछताना पड़ सकता है। कई विद्यार्थी ट्यूशन क्लास भी जाते हैं, वहां भी अपनी जिज्ञासा शांत कर सकते हैं। जो प्रश्न समझ में न आये, उसका जवाब जानने शिक्षक से बेझिझक पूछें, यह आपका अधिकार भी है।

जब अनुशासन के साथ आपकी दिनचर्या बितेगी तो देखना आपका रिजल्ट पिछले बार से बेहतर होगा। संघर्षों में ही अच्छा परिणाम छिपा होता है, इसलिए विद्यार्थी जीवन में कड़ी मेहनत, सुख सुविधा से विरक्त होकर संघर्षों में जीना सीखें। अभी मेहनत करोगे तो आपका आने वाला कल सुखमय होगा।

डॉ गजेन्द्र तिवारी
शिक्षाविद
पाली जिला कोरबा
मो.: 94241-50282

वैचारिक क्रांति के जरिये पूरे भारत में विस्तार होती भाजपा

भारतीय जनता पार्टी आज देश की ही नहीं बल्कि विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन चुकी है। वैचारिक क्रांति के जरिये लोगों को जोड़ने में भाजपा के कर्णधार सफल हो रहे हैं। विपक्षी पार्टियों के लिए **मोदी** एक ऐसा डरावना शब्द बन गया है, जिसे रोकने के लिए सभी तरह के उपाय कर डाले, लेकिन मोदी रथ को रोक पाने में नाकाम साबित हो रहे हैं। इंडिया गठबंधन को इन्होंने ऐसा लॉन्च किया, जिसमें मोदी को बौना बना देने का जोश तो दिखा, लेकिन लोकसभा चुनाव आने से पहले ही फिर बिखरकर शून्य में आ कर रसातल पर जाते दिख रहा है। सबसे पहले सभी नेता प्रधानमंत्री बनने का सपना देखने लगे और एक-दूसरे से अपने आप को बेहतर साबित करने की कोशिश करते रहे। जिस जोश से इंडिया गठबंधन में कांग्रेस सहित क्षेत्रीय दल आते दिखे, सीट बटवारा का समय आया तो बौना होने के डर से एक-एक कर छिटकने लगे। एनडीए छोड़कर चारा घोटाला के साथ सरकार बनाने वाले नितीश को राजनैतिक कैरियर पर ग्रहण लगने की आशंका से ग्रसित होकर फिर एनडीए के शरण में जाना पड़ा। उधर शेरनी ने ऐसा दहाड़ा कि कांग्रेस लोकसभा में 40 सीट जीतकर तो देखे, नतीजन बंगाल की शेरनी ने पश्चिम बंगाल में अकेले लड़ने का संदेश दे डाला। केजरीवाल पंजाब में अपने आप को अकेला खड़ा करने का रौब दिखा रहे हैं। मायावती हालांकि इस टूटते गठबंधन का हिस्सा नहीं बनें और यूपी के छोटे-छोटे दलों को एक सूत्र में बांधने का काम करने का दावा कर रही हैं।

भाजपा के मोदी सबकी सुनते हैं, लेकिन उन्हें करना वही होता है, जो उनके मन में आता है और जब वे चौका-छक्का लगाते हैं तो सभी पार्टी क्लीन बोल्ड नजर आते हैं।

मोदी उस भाजपा पार्टी के सदस्य हैं, जिनके नेतृत्व में आज देश चहुंमुखी विकास करने के साथ-साथ विश्व क्षीतिज पर भारत को नई पहचान मिली है। सशक्त राष्ट्र की भूमिका अब दिखने लगी है। मोदी की नेतृत्व क्षमता को आज पूरा विश्व स्वीकारने लगा है, ऐसे में विपक्ष के पास ढोंग पीटने के अलावा कुछ शेष नहीं रह गया।

गठबंधन कुछ भी बना लें, कितनों भी पार्टियों को इकट्ठा कर लें, मोदी को रोक पाना अभी विपक्ष के लिए दिल्ली दूर जैसा ही सपना है।

भाजपा की वैचारिक क्रांति से आज यह दल पूरे विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक दल बन गई है और इस विस्तार को रोक पाना फिलहाल इंडिया के बस की बात नजर नहीं आ रही है। कुछ क्षेत्रों में राहुल की भारत जोड़ों यात्रा से लाभ मिल सकता है लेकिन हिन्दी बाहुल्य क्षेत्रों में भाजपा के रथ के सामने राहुल का रथ बौना नजर आ रहा है।

अयोध्या में राम मंदिर के गर्भ गृह में राम की प्राण प्रतिष्ठा से विपक्ष पहले ही अपनी किरकिरी करा चुका है। अयोध्या जाएंगे लेकिन अभी नहीं जाएंगे के बयान के बाद जनता इनकी चाल समझ चुकी है।

पिछले लोकसभा चुनाव से पूर्व 75 साल तक कांग्रेस की गलत नीतियों के कारण जम्मू कश्मीर में दो ध्वज, दो विधान के दंश को मोदी-शाह की जोड़ी ने किस तरह से एक देश-एक विधान में बदल दिया, इसे पूरे देश ने देखा। दंगा-फसाद, आगजनी, आक्रोश भड़क सकता था और देश द्रोही पूरे देश को आग में झोंक सकते थे, लेकिन राष्ट्र विरोधी तत्वों को नजर बंद कर शांति के साथ धारा 370 और अनुच्छेद 35 ए को हटाकर एक ऐतिहासिक कदम बढ़ाया और जम्मू कश्मीर में लोगों के जीवन को मुख्य धारा में जोड़ने का प्रयास कोई साधारण व्यक्ति नहीं कर सकता। आज देश का बच्चा-बच्चा मोदी की नेतृत्व क्षमता को पहचानने लगा है। मोदी वो व्यक्तित्व हैं, जो प्रपोगंडा नहीं करते बल्कि लोगों के जीवन सुधारने के लिए योजना को धरातल पर करके दिखाते हैं। आज सेना पर पत्थर प्रहार नहीं होता, जम्मू कश्मीर के युवा चाहे हिन्दू हो या फिर मुस्लिम, आतंकवाद की राह को छोड़कर शासकीय सेवा की ओर लौट रहे हैं, और देश की सेवा में जुटने लगे हैं। जम्मू-कश्मीर जाने वाले पर्यटकों की संख्या अब कई गुना बढ़ने लगी है।

बदलाव की यह बयार मोदी-शाह-डोभाल की तिकड़ी का कमाल है। यह साधारण कार्य नहीं था लेकिन इस असाधारण कार्य को मोदी की टीम ने अमलीजामा पहनाया। एक ध्वज- एक विधान को लाने के लिए श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने अपना पूरा जीवन लगा दिया और देश के सत्तालोलुप राजनेताओं ने उसे ऐसी सजा दी कि वे देश के लिए जेल में ही अपना बलिदान दे दिया।

मोदी-शाह एक ऐसे चाणक्य पुत्र हैं जो देश के लिए ऐसी नीति बनाते हैं, खुलासा नहीं करते और जब कर लेते हैं तो विपक्ष को लगता है कि हम ये करते-वो करते और यही नारा लगाते-लगाते इनकी पार्टी शहीद होती जा रही है और मोदी का रथ आगे बढ़ता जा रहा है।

मोदी की वाणी में करिश्मा

मोदी की वाणी में वह करिश्मा है, जिसकी एक आवाज से पूरा देश करने को तैयार रहता है। मोदी की वाणी में करिश्मा है। फ्री में पूरे देश में भाजपा का प्रचार कर लिया। हिन्दुत्व की राह पर चलकर आज फिर भाजपा 400+ का दावा कर रही है और यह करिश्मा भी संभव है। राममंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के पूर्व 22 जनवरी को दीवाली मनाने के आह्वान को एक-एक जनता ने हाथों-हाथ लिया और 22 जनवरी को घर-घर दीवाली मनायी गई। कोरोना काल में हर घर घंटा बजाया गया। घंटा बजाने का मनोवैज्ञानिक कारण भले ही जनता जाने या न जाने, लेकिन मोदी की एक आवाज से घर-घर घंटा बजा और कोरोना को भागना पड़ा। यह करिश्माई व्यक्तित्व फिर से प्रधानमंत्री बनेगा, ऐसा देश का बच्चा-बच्चा कहता नजर आता है। देश में सत्ता की कुर्सी छूट जाए, इस डर से राजनीतिक पार्टी गैर हिन्दू धर्मों को डराती रही और भाजपा तथा आरएसएस को आतंकवादी तक करार दे दिए, लेकिन अब सभी धर्म के लोग समझने लगे हैं, कि मोदी से सभी धर्म के लोग सुरक्षित हैं और सभी समृद्धि की राह गढ़ेंगे...।

भाजपा के लौह पुरूष लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न से सम्मानित किया जाएगा

राजनीतिक परिवर्तन के प्रमुख वास्तुकार

आडवाणी का राजनीतिक करियर उनके दूरदर्शी नेतृत्व और रणनीतिक कौशल से चिह्नित है। 1990 में उनकी रथ यात्रा भारतीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ थी, जिसने राष्ट्रीय विमर्श को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित किया और एक प्रमुख राजनीतिक ताकत के रूप में भाजपा के उदय में योगदान दिया। एक अनुभवी सांसद और एक सरकारी अधिकारी के रूप में, आडवाणी ने भारत के उप प्रधान मंत्री सहित कई प्रमुख पदों पर कार्य किया है। बाबरी ढांचा गिराने में उनका नेतृत्व देश ने देखा है। अयोध्या के राम मंदिर को ढहा कर बाबर ने बाबरी मस्जिद बना दिया था। 500 साल के कड़े संघर्षों, बलिदानों के बाद रामलला अपने घर वापस आये। इस भूमिका में लाल कृष्ण आडवानी शीर्ष पर थे। 96 साल के आडवाणी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न देने का ऐलान किया और एक्स में पांच दिन पहले इसकी घोषणा की। देश के विकास में आडवाणी के योगदान को बड़ा सम्मान मिलने जा रहा है। अटल के साथ देश का एक और रत्न आडवाणी भी हैं। इन्हें राजनीतिक परिवर्तन के वास्तुकार के रूप में भाजपा देखती है। इनके सिद्धांत और नीति को आगे बढ़ाते हुए मोदी-शाह की टीम इसे और विस्तारित कर रही है राजनीति में आडवाणी का कार्यकाल विवादों से रहित नहीं रहा, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा, शासन और जन कल्याण में उनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। बुनियादी ढांचे के विकास को बढ़ावा देने में उनकी भूमिका और राष्ट्रीय सुरक्षा पर उनका सख्त रुख विशेष रूप से उल्लेखनीय है। आडवाणी की राजनीतिक यात्रा उनके सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्धता और भारत के विकास के प्रति उनके अटूट समर्पण का प्रतिबिंब है।

भारत सरकार ने घोषणा की है कि भारतीय राजनीति के सबसे प्रमुख शख्सियतों में से एक लालकृष्ण आडवाणी को देश के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार, भारत रत्न से सम्मानित किया जाएगा। यह प्रतिष्ठित सम्मान कई दशकों से भारतीय राजनीति और समाज में आडवाणी के अमिट योगदान का प्रमाण है। भारत रत्न एक राजनेता के रूप में लालकृष्ण आडवाणी की विरासत की एक उपयुक्त मान्यता है, जिन्होंने अपना जीवन राष्ट्र को समर्पित कर दिया है। उनके नेतृत्व ने न केवल भाजपा को आकार दिया है बल्कि भारतीय राजनीति और शासन पर भी स्थायी प्रभाव छोड़ा है। यह पुरस्कार उनके अपार योगदान और भारत में राजनीतिक और सामाजिक परिवर्तन के उत्प्रेरक के रूप में उनकी भूमिका का जश्न मनाता है।

8 नवंबर, 1927 को कराची में जन्मे लालकृष्ण आडवाणी की राजनीतिक यात्रा लचीलेपन, नेतृत्व और भारतीय राजनीतिक परिदृश्य पर गहरा प्रभाव की गाथा है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रमुख वास्तुकार, आडवाणी ने पार्टी की विचारधारा को आकार देने और इसे राष्ट्रीय प्रमुखता तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

भारतीय जनता पार्टी के जिन नामों को पूरी पार्टी को खड़ा करने और उसे राष्ट्रीय स्तर तक लाने का श्रेय जाता है उसमें सबसे आगे की पंक्ति का नाम है लालकृष्ण आडवाणी। लालकृष्ण आडवाणी कभी पार्टी के कर्णधार कहे गए, कभी लौह पुरुष और कभी पार्टी का असली चेहरा। कुल मिलाकर पार्टी के आजतक के इतिहास का अहम अध्याय हैं लालकृष्ण आडवाणी।

जीवन वृत्त-

आठ नवंबर, 1927 को वर्तमान पाकिस्तान के कराची में लालकृष्ण आडवाणी का जन्म हुआ था। उनके पिता श्री के डी आडवाणी और माँ ज्ञानी आडवाणी थीं। विभाजन के बाद भारत आ गए आडवाणी ने 25 फ़रवरी 1965 को कमला आडवाणी को अपनी अर्धांगिनी बनाया। आडवाणी के दो बच्चे हैं।

लालकृष्ण आडवाणी की शुरुआती शिक्षा लाहौर में ही हुई पर बाद में भारत आकर उन्होंने मुम्बई के गवर्नमेंट लॉ कॉलेज से लॉ में स्नातक किया। आज वे भारतीय राजनीति में एक बड़ा नाम हैं। गांधी के बाद वो दूसरे जननायक हैं जिन्होंने हिन्दू आन्दोलन का नेतृत्व किया और पहली बार बीजेपी की सरकार बनावाई। लेकिन पिछले कुछ समय से अपनी मौलिकता खोते हुए नज़र आ रहे हैं। जिस आक्रामकता के लिए वो जाने जाते थे, उस छवि के ठीक विपरीत आज वो समझौतावादी नज़र आते हैं। हिन्दुओं में नई चेतना का सूत्रपात करने वाले आडवाणी में लोग नब्बे के दशक का आडवाणी ढूंढ रहे हैं। अपनी बयानबाज़ी की वजह से उनकी काफी फज़ीहत हुई। अपनी किताब और ब्लॉग से भी वो चर्चा में आए। आलोचना भी हुई।

राजनैतिक जीवन-

वर्ष 1951 में डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जनसंघ की स्थापना की। तब से लेकर सन 1957 तक आडवाणी पार्टी के सचिव रहे। वर्ष 1973 से 1977 तक आडवाणी ने भारतीय जनसंघ के अध्यक्ष का दायित्व सम्भाला। वर्ष 1980 में भारतीय जनता पार्टी की स्थापना के बाद से 1986 तक लालकृष्ण आडवाणी पार्टी के महासचिव रहे। इसके बाद 1986 से 1991 तक पार्टी के अध्यक्ष पद का उत्तरदायित्व भी उन्होंने सम्भाला।

1990 राम रथ यात्रा-

इसी दौरान वर्ष 1990 में राम मन्दिर आन्दोलन के दौरान उन्होंने सोमनाथ से अयोध्या के लिए राम रथ यात्रा निकाली। हालांकि आडवाणी को बीच में ही गिरफ़्तार कर लिया गया पर इस यात्रा के बाद आडवाणी का राजनीतिक कद और बड़ा हो गया।1990 की रथयात्रा ने लालकृष्ण आडवाणी की लोकप्रियता को चरम पर पहुँचा दिया था। वर्ष 1992 में बाबरी मस्जिद विध्वंस के बाद जिन लोगों को अभियुक्त बनाया गया है उनमें आडवाणी का नाम भी शामिल है।

पार्टी में भूमिका-

लालकृष्ण आडवाणी तीन बार भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष पद पर रह चुके हैं। आडवाणी चार बार राज्यसभा के और पांच बार लोकसभा के सदस्य रहे। वर्ष 1977 से 1979 तक पहली बार केन्द्रीय सरकार में कैबिनेट मन्त्री की हैसियत से लालकृष्ण आडवाणी ने दायित्व सम्भाला। आडवाणी इस दौरान सूचना प्रसारण मन्त्री रहे।

आडवाणी ने अभी तक के राजनीतिक जीवन में सत्ता का जो सर्वोच्च पद सम्भाला है वह है एनडीए शासनकाल के दौरान उपप्रधानमन्त्री का। लालकृष्ण आडवाणी वर्ष 1999 में एनडीए की सरकार बनने के बाद अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में केन्द्रीय गृहमन्त्री बने और फिर इसी सरकार में उन्हें 29 जून 2002 को उपप्रधानमन्त्री पद का दायित्व भी सौंपा गया। भारतीय संसद में एक अच्छे सांसद के रूप में आडवाणी अपनी भूमिका के लिए कभी सराहे गए तो कभी पुरस्कृत भी किए गए।

मोदी ने एक्स पर कहा

आडवाणी जी के संसदीय हस्तक्षेप हमेशा अनुकरणीय रहे हैं और समृद्ध अंतर्दृष्टि से भरे रहे हैं।

भाजपा के वरिष्ठ नेता और देश के सातवें उप-प्रधानमंत्री लाल कृष्ण आडवाणी का जन्म पाकिस्तान के कराची में 8 नवंबर, 1927 को एक हिंदू सिंधी परिवार में हुआ था। आडवाणी 2002 से 2004 के बीच अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में भारत के सातवें उप प्रधानमंत्री का पद संभाल चुके हैं।

भाजपा के संस्थापक चेहरों में से एक लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न देने का एलान किया गया है। खुद पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट कर इसकी घोषणा की। प्रधानमंत्री ने पोस्ट में कहा कि भारत के विकास में उनका योगदान स्मरणीय है। उनका जीवन जमीनी स्तर पर काम करने से शुरू होकर देश के उप-प्रधानमंत्री के तौर पर काम करते हुए चला।

पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट में कहा, मैं यह साझा कर के काफी खुश हूं कि लालकृष्ण आडवाणी जी को भारत रत्न से सम्मानित किया जाएगा। मैंने उनसे बात की और उन्हें इस सम्मान को दिए जाने पर बधाई दी। वह हमारे समय के सबसे बड़े और सम्मानित जननेता रहे हैं। भारत के विकास में उनका योगदान स्मरणीय है। उनका जीवन जमीनी स्तर पर काम करने से शुरू होकर देश के उप-प्रधानमंत्री के तौर पर काम करते हुए चला। उन्होंने गृह मंत्री और सूचना-प्रसारण मंत्री के तौर पर काम करते हुए भी खुद को दूसरों से अलग किया। उनके संसदीय हस्तक्षेप हमेशा अनुकरणीय रहे हैं और समृद्ध अंतर्दृष्टि से भरे रहे हैं।

कौन हैं लालकृष्ण आडवाणी ?

भाजपा के वरिष्ठ नेता और देश के सातवें उप-प्रधानमंत्री लाल कृष्ण आडवाणी का जन्म पाकिस्तान के कराची में 8 नवंबर, 1927 को एक हिंदू सिंधी परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम किशनचंद आडवाणी और मां का नाम ज्ञानी देवी है। उनके पिता पेशे से एक उद्यमी थे। शुरुआती शिक्षा उन्होंने कराची के सेंट पैट्रिक हाई स्कूल से ग्रहण की थी। इसके बाद वह हैदराबाद, सिंध के डीजी नेशनल स्कूल में दाखिला लिया। विभाजन के समय उनका परिवार पाकिस्तान छोड़कर मुंबई आकर बस गया। यहां उन्होंने लॉ कॉलेज ऑफ द बॉम्बे यूनिवर्सिटी से कानून की पढ़ाई की। उनकी पत्नी का नाम कमला आडवाणी है। उनके बेटे का नाम जयंत आडवाणी और बेटी का नाम प्रतिभा आडवाणी है।

आडवाणी 2002 से 2004 के बीच अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में भारत के सातवें उप प्रधानमंत्री का पद संभाल चुके हैं। इससे पहले वह 1998 से 2004 के बीच भाजपा के नेतृत्व वाले नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (एनडीए) में गृहमंत्री रह चुके हैं। वह उन लोगों में शामिल हैं जिन्होंने भारतीय जनता पार्टी की नींव रखी थी। 10वीं और 14वीं लोकसभा के दौरान उन्होंने विपक्ष के नेता की भूमिका बखूबी निभाई है। उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जरिए अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत की थी। 2015 नें उन्हें भारत के दूसरे बड़े नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था।

धारण किये गये प्रमुख पद

1967-1977 = दिल्ली महानगर परिषद के सदस्य (महापौर के रूप में भी कार्य किया)
1970-1972 = भारतीय जनसंघ, दिल्ली के अध्यक्ष
1970-1976= दिल्ली के राजगृह परिषद के सदस्य (अध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया)
1973-1977= भारतीय जनसंघ के अध्यक्ष (अखिल भारतीय स्तर पर)
1977-1979= सूचना और प्रसारण मंत्री (जनता पार्टी सरकार)
1977-1979= राज्यसभा में सदन के नेता (जनता पार्टी सरकार)
1978-1984 राज्यसभा के सदस्य (गुजरात से निर्वाचित)
1980-1986= राज्यसभा में भाजपा के नेता
1980-1986= भारतीय जनता पार्टी के महासचिव
1986-1991= भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष (पहले 5 अध्यक्षों में से एक)
1991-1998= लोकसभा में विपक्ष के नेता (भाजपा)
1996-2009= राज्यसभा के सदस्य (मध्य प्रदेश से निर्वाचित)
1998-2004= गृह मंत्री (भाजपा सरकार)
1998-2004= गृह मामलों पर केंद्रीय कैबिनेट समिति के अध्यक्ष
2002-2004= उप प्रधानमंत्री (भाजपा सरकार)
2002-2004= सुरक्षा मामलों पर केंद्रीय मंत्रिमंडलीय समिति के अध्यक्ष
2004-2009= लोकसभा में लोक लेखा समिति के अध्यक्ष
2009- लोकसभा चुनाव में भाजपा के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार
2014-2020-भाजपा संसदीय बोर्ड के सदस्य

पिता सैफ अली खान ने किया खुलासा

एक्टिंग में करियर नहीं बनाना चाहते तैमूर

मुम्बई (एजेंसी)।

बॉलीवुड की सबसे पसंदीदा जोड़ों में सैफ अली खान और करीना कपूर खान का नाम जरूर शामिल किया जाता है। अक्सर दोनों एक साथ सार्वजनिक जगहों पर नजर आते हैं। वहीं, उनका बेटे तमूर की लोकप्रियता भी किसी स्टार से कम नहीं है। अक्सर पैपराजी में उनकी तस्वीरों को खींचने की होड़ लगी रहती है।

क्या बनना चाहते हैं तैमूर ?

हाल ही में सैफ ने अपनी लाइफ, करियर और अपने बेटे तैमूर के सपनों के बारे में कई अहम जानकारी साझा की। सैफ ने बताया कि बॉलीवुड की चकाचौंध और ग्लैमर से इतर, तैमूर एक गिटारवादक और फुटबॉल खिलाड़ी बनना चाहता है। इस बातचीत में अभिनेता ने खुलासा किया कि फुटबॉल खिलाड़ी बनने के लिए उसकी इच्छा अर्जेंटीना जाने की है।

सारा-इब्राहिम मनोरंजन की दुनिया में एक्टिव

सैफ के चार बच्चे हैं। उनकी बेटी सारा अली खान बॉलीवुड की कई हिट फिल्म में नजर आ चुकी हैं। वहीं, अभिनेता के बेटे इब्राहिम अली खान जल्द ही एक्टिगं की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं। करण जौहर के प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले बन रही फिल्म से वे अपना डेब्यू करने वाले हैं।

करण जौहर की फिल्म से डैब्यू करेंगे इब्राहिम अली खान

देवरा में नजर आएंगे सैफ

वर्क फ्रंट की बात करें तो सैफ अली खान जल्द ही देवरा नाम की साउथ फिल्म में नजर आने वाले हैं। फिल्म में वे नेगेटिव रोल में हैं। इसमें उनके साथ जूनियर एनटीआर और जान्हवी कपूर भी हैं। सैफ को आखिरी बार पर्दे पर आदिपुरुष (2023) में देखा गया था। वहीं, फिल्म जाने जां में अपनी अदाकारी से वाहवाही लूटने वाली करीना कपूर खान जल्द ही द करू के साथ स्क्रीन पर धूम मचाने के लिए तैयार हैं। इस फिल्म में वे तब्बू और कृति सेनन के साथ प्रमुख भूमिका में हैं। इसके अलावा वे द बकिंघम मर्डर्स में भी काम कर रही हैं, जिसका निर्देशन हंसल मेहता ने किया है।

एलओसी रद्द करने के लिए रिया चक्रवर्ती ने दायर की थी अपील, बॉम्बे हाईकोर्ट ने टाला फैसला

मुम्बई (एजेंसी)।

बॉलीवुड अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती कानूनी लड़ाई लड़ रही हैं। इस मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने अभिनेत्री के खिलाफ एक स्थायी लुक-आउट सर्कुलर (एलओसी) जारी किया था, जिसमें उन्हें अदालत की पूर्व मंजूरी के बिना विदेश यात्रा करने से प्रतिबंधित कर दिया गया था। बॉम्बे हाई कोर्ट ने गुरुवार को रिया चक्रवर्ती, उनके भाई शोविक और उनके पिता द्वारा दायर याचिका पर अपना फैसला टाल दिया, जिसमें उनके खिलाफ जारी लुक-आउट सर्कुलर (एलओसी) को रद्द करने की मांग की गई थी। यह एलओसी केंद्रीय जांच ब्यूरो द्वारा अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के मामले में चल रही जांच के बीच जारी किए गए थे।

अदालत ने टाला फैसला

हालांकि, दिसंबर 2023 में उच्च न्यायालय ने एलओसी को एक सप्ताह के लिए निलंबित कर दिया था, क्योंकि उनकी दुबई में कुछ पेशेवर प्रतिबद्धताएं थीं। वहीं अब गुरुवार को अभिनेत्री के साथ भाई शोविक और उनके पिता द्वारा याचिका दायर किए जाने के बाद अदालत ने एलओसी रद्द करने पर अपना फैसला टाल दिया है। अधिवक्ता अयाज खान ने अदालत से तर्क दिया कि यदि आरोपी नियमित रूप से अदालत में पेश नहीं होते हैं और गिरफ्तारी से बचते हैं तो एलओसी जारी की जानी चाहिए।

पटना में दर्ज की गई थी एफआईआर

न्यायमूर्ति रेवती मोहिते-डेरे और न्यायमूर्ति मंजूषा देशपांडे की पीठ ने सीबीआई के रुख को चुनौती दी कि केवल एफआईआर की उपस्थिति ही एलओसी जारी करने के लिए पर्याप्त आधार है। पीठ ने कहा कि एलओसी ने प्राप्तकर्ताओं के फरार होने का कोई संदेह व्यक्त नहीं किया।

बॉक्स ऑफिस पर फाइटर की पकड़ बरकरार, हनुमान की कमाई में आई गिरावट

मुम्बई (एजेंसी)।

जनवरी के महीने में रिलीज हुई दो फिल्में फरवरी में भी बॉक्स ऑफिस पर जलवा दिखा रही हैं। हालांकि, दोनों ही फिल्मों की कमाई की रफ्तार अब काफी धीमी हो चुकी है। हम बात कर रहे हैं, ऋतिक रोशन की फाइटर और तेजा सज्जा अभिनीत हनुमान की। इन दोनों ही फिल्मों को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला है। यही वजह है कि इन फिल्मों की कमाई डबल सेंचुरी के करीब पहुंच गई है। आइए जानते हैं गुरुवार को इन फिल्मों का बॉक्स ऑफिस पर कैसा प्रदर्शन रहा।

सबसे पहले बात करें फाइटर की तो सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बनी इस फिल्म को जनता का तगड़ा रिस्पॉन्स मिला है। ऋतिक के अलावा इसमें दीपिका पादुकोण, अनिल कपूर, करण सिंह ग्रोवर, जैसे कलाकारों ने अपने अभिनय से लोगों को प्रभावित किया है। इसके अलावा फिल्म की कहानी और गाने भी दर्शकों के दिलों में जगह बनाने में कामयाब रहे हैं।

पहले हफ्ते में फिल्म ने 46.5 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। वहीं, दूसरे हफ्ते में भी यह फिल्म ठीक-ठाक कमाई करने में कामयाब रही है। 14वें दिन फिल्म ने तीन करोड़ रुपये का बिजनेस किया था, जबकि 15वें दिन फिल्म की कमाई में मामूली गिरावट ही देखने को मिली। दूसरे गुरुवार को यह फिल्म दो करोड़ 65 लाख रुपये का कलेक्शन करने में सफल रही। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई अब 187.40 करोड़ रुपये हो गई है। माना जा रहा है कि तीसरे सप्ताह में यह 200 करोड़ के क्लब में आसानी से शामिल हो जाएगी।

साउथ के छोटे बजट की फिल्म हनुमान ने लोगों के दिलों पर गहरी छाप छोड़ी है। इस फिल्म को देखने के लिए दर्शक अब भी सिनेमाघरों का रुख कर रहे हैं। इस फिल्म के लिए निर्देशक प्रशांत वर्मा की जमकर तारीफ की जा रही है।

फिल्म ने पहले हफ्ते में 89.9 करोड़ रुपये की कमाई की थी। वहीं, दूसरे और तीसरे हफ्ते में इसने क्रमशः 60.6 करोड़ रुपये और 29.95 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। इसके साथ ही बीते दिन फिल्म ने 77 लाख रुपये का बिजनेस किया। अब फिल्म का कुल कलेक्शन 192.85 करोड़ रुपये हो गया है।

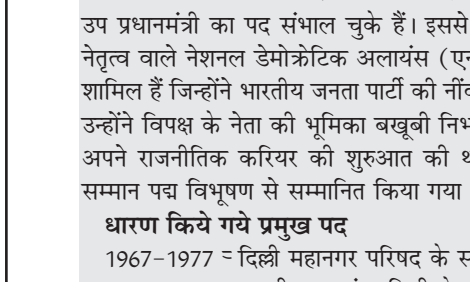

कैमरामैन गंगा टू रामबाबू की दोबारा रिलीज को लेकर उत्साहित पवन कल्याण के फैंस, थिएटर में की आगजनी

चेन्नई (एजेंसी)।

पवन कल्याण की सुपरहिट फिल्म कैमरामैन गंगाथो रामबाबू अपने जमाने की सुपर हिट फिल्म है। साल 2012 में यह फिल्म पहली बार सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। अब इस फिल्म को दोबारा रिलीज किया गया है।

इसी कड़ी में आंध्र प्रदेश के नंदयाला थिएटर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर ताबड़तोड़ वायरल हो रहा है। इस फिल्म को दोबारा थिएटर्स में स्क्रीनिंग के लिए लगाया गया तब पवन कल्याण के अति उत्साहित फैंस ने सिनेमाघर के अंदर आग जला कर डांस करने लगे।

फैंस ने रजनीकांत के सम्मान में किया यह काम

लाल सलाम की रिलीज पर दुल्हन की तरह सजा सिनेमाघर

चुन्नई (एजेंसी)।

सुपरस्टार रजनीकांत की बेटी ऐश्वर्या के निर्देशन में बनी फिल्म लाल सलाम शुक्रवार को रिलीज हो गई। ये फिल्म सिनेमाघरों में आते ही धमाल मचा रही है। फिल्म के ट्रेलर ने रिलीज के साथ ही फैंस को काफी उत्साहित कर दिया था। इस फिल्म में विक्रांत और विष्णु लीड रोल में हैं। रजनीकांत भी अपनी बेटी की फिल्म में कैमियो रोल में नजर आएंगे। वहीं, आज फिल्म की रिलीज के अवसर पर फैंस ने सिनेमाघरों को थलाइवा के पोस्टर और मालाओं से सजा दिया है।

फिल्म लाल सलाम की रिलीज से पहले मेगास्टार रजनीकांत के प्रशंसकों ने चेन्नई के रोहिणी थिएटर के बाहर बैनर, पोस्टर और मालाएं लगाईं। यह दृश्य फिल्म में सुपरस्टार को देखने के लिए प्रशंसकों की दीवानगी को दर्शाते हैं। ऐश्वर्या रजनीकांत के निर्देशन में बनी फिल्म लाल सलाम में रजनीकांत ने एक खास भूमिका निभाई है।

एक यूजर ने कमेंट किया, थलाइवा, पोंगल ब्लॉकबस्टर लोड हो रहा है। रजनीकांत का एक्शन देखने लायक है। एक अन्य यूजर ने लिखा, थलाइवा इस पोंगल के लिए आ रहे हैं। इससे पहले रजनीकांत की बेटी ऐश्वर्या, जिन्होंने फिल्म का निर्देशन किया है, ने भी इंस्टाग्राम पर पोस्टर साझा करते हुए लिखा, आपकी सभी के प्यार के लिए बहुत बहुत धन्यवाद। आशा है कि आप सभी को फिल्म पसंद आएगी।

लाल सलाम में रजनीकांत एक कैमियो भूमिका निभाते नजर आ रहे हैं। फिल्म में विष्णु विशाल और विक्रांत मुख्य भूमिका में हैं। इसमें एआर रहमान का संगीत होगा। फिल्म का निर्देशन ऐश्वर्या रजनीकांत ने किया है। फिल्म का दिलचस्प ट्रेलर भी रिलीज हो चुका था और अब फिल्म प्रशंसकों का ध्यान खींच रहा है। फैंस भी फिल्म को सोशल मीडिया पर फिल्म को सकारात्मक प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

बता दें कि यह फिल्म ऐश्वर्या रजनीकांत द्वारा निर्देशित है और 9 फरवरी, 2024 यानी को बड़े पर्दे पर रिलीज हो गई है। वहीं, कहा जा रहा है कि फिल्म ब्लॉकबस्टर होगी। एडवांस बुकिंग के मामले में भी जबर्दस्त कलेक्शन देखने को मिल रहा है।

बालको के विभिन्न पहल के माध्यम से युवा बन रहे है स्वावलंबी

बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

एक विकसित राष्ट्र के निर्माण युवाओं की भूमिका को समझते हुए भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड कंपनी (बालको) ने कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित करके युवाओं को मजबूत बनाने की अपनी प्रतिबद्धता को लगातार आगे बढ़ाया है। बालको युवाओं के समग्र विकास को सुनिश्चित करने के लिए सामुदायिक सहभागिता सत्र के साथ शैक्षिक और शिक्षण संसाधन का अवसर प्रदान कर रहा है।

प्रोजेक्ट कनेक्ट के अंतर्गत बालको ने सेमा विषयों (विज्ञान, अंग्रेजी, गणित और लेखा) पर बोर्ड परीक्षा की तैयारी के साथ-साथ उपचारात्मक कक्षाएं, व्यक्तिगत ट्यूशन, करियर मार्गदर्शन प्रदान करके 10वीं और 12वीं कक्षा के छात्रों को सर्वोपरि सहायता प्रदान करके एक अनुकूल सीखने का माहौल बनाने का लगातार प्रयास किया है। बालको के कनेक्ट परियोजना से लगभग 2500 युवा लाभान्वित हुए हैं।

कनेक्ट परियोजना के साथ-साथ साइंस मित्र, ग्रीष्म और शीतकालीन

शिविर पहलों में बालको कर्मचारियों के भी सत्र शामिल हैं जो अपना अनुभव साझा करके छात्रों को प्रोत्साहित करने का काम किये हैं। मार्गदर्शन सत्रों के माध्यम से छात्रों में महत्वपूर्ण कौशल विकास और आने वाली चुनौतियों को समझने में मदद मिली है। कर्मचारियों के इन प्रयासों से छात्रों में तार्किक सोच के साथ सीखने और समस्याओं से निपटने का दृष्टिकोण विकसित हुआ है।

12वीं कक्षा में 86 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाली छात्रा शिवानी राठौड़ ने बताया कि प्रोजेक्ट कनेक्ट ने मेरी शैक्षणिक यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। नियमित और रेमिडियल अंग्रेजी कक्षाओं से मुझे सही मार्गदर्शन मिला जिससे इन विषय में मेरा आत्मविश्वास काफी बढ़ गया। शिवानी कहती हैं कि नयी किरण परियोजना युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए क्षमता निर्माण कार्यशाला और प्रशिक्षण की पेशकश पर केंद्रित एक पहल है। यह परियोजना युवाओं को माहवारी एवं स्वास्थ्य प्रबंधन (एमएचएम) के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाने वाले एक मजबूत समुदाय का निर्माण करने में सक्षम बनाती है। उन्होंने कहा कि नयी किरण परियोजना ने एमएचएम विषय के जागरूकता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज मैं एमएचएम लीडर हूं और समुदाय में सकारात्मक बदलाव ला रही हूं।

वेदांता स्किल स्कूल : बेरोजगार युवकों को बना रहा स्किल्ड, सुधर रहा कैरियर

बालको की युवा-केंद्रित पहल वेदांता स्किल स्कूल आर्थिक स्थिति की वजह से स्कूल छोड़ने और बेरोजगार ग्रामीण युवा आबादी के जीवन में बदलाव ला रहा है। अपनी स्थापना के बाद से 11,000 से अधिक युवाओं को रोजगारपरक कौशल से लाभान्वित कर रहा है। यह छह आवश्यक ट्रेडों में नि:शुल्क आवासीय प्रशिक्षण और तकनीकी कौशल के साथ-साथ 90 से अधिक प्रशिक्षुओं को संचार, सुरक्षा, कानूनी अधिकार और माहवारी स्वास्थ्य जैसे व्यवहारिक शिक्षा प्रदान करता है।

वेदांता स्किल स्कूल प्रशिक्षु प्रतिभा प्रमुख कपड़ा कंपनी में कार्यरत हैं। उन्होंने कहा कि वेदांता स्किल स्कूल में दाखिला लेना मेरे जीवन के सबसे अहम निर्णयों में से एक है। मुझे आर्थिक रूप से स्वतंत्र बनाने के लिए मैं बालको वेदांता स्किल स्कूल की बहुत आभारी हूं। संस्थान में प्रशिक्षण प्राप्त करने से मुझे अपने परिवार की देखभाल करने में मदद मिल रही है। संस्थान ने मेरे जीवन को बदलने और मुझे आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

बालको के कार्यबल में 20 प्रतिशत भागीदारी युवाओं की

देश के युवा राष्ट्र निर्माण के प्रति अपने उत्तरदायित्व का मशाल लिए भारत को विकसित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। राष्ट्र के भविष्य को आकार देने में युवाओं के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और कुशल कौशल महत्वपूर्ण हैं। कंपनी के कार्यबल में लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा युवा कर्मचारियों की है जिनके कौशल विकास के लिए विभिन्न कार्यक्रम लागू किया गया है जिससे तेजी से बढ़ते वैश्विक मांगों के साथ तालमेल बिठाया जा सके। भविष्य की धातु एल्यूमिनियम के उत्पादन में बालको का युवा कार्यबल में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है जो लगातार बढ़ रही वैश्विक प्रतिस्पर्धा में कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ने के लिए आवश्यक है।

कैंसर रोकथाम हेतु जागरुकता बढ़ाने के लिए वेदांता एल्यूमिनियम की पहल

वेदांता ग्रुप के बालको मेडिकल सेंटर ने छत्तीसगढ़ में कैंसर जागरुकता सत्र एवं जांच शिविर आयोजित किए

बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

भारत की सबसे बड़ी एल्यूमिनियम उत्पादक वेदांता एल्यूमिनियम ने विश्व कैंसर दिवस पर कैंसर रोगियों को (खासकर ग्रामीण इलाकों के) सर्वश्रेष्ठ स्वास्थ्य सुविधाएं एवं सहयोग देने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया है। इस अवसर पर वेदांता ग्रुप की रायपुर स्थित अत्याधुनिक कैंसर अस्पताल तथा भारत के सर्वश्रेष्ठ कैंसर केयर अस्पतालों में से एक बालको मेडिकल सेंटर (बीएमसी) ने छत्तीसगढ़ में कैंसर जागरुकता गतिविधियों की एक श्रृंखला का आयोजन किया जो कैंसर की रोकथाम, पता लगाने और इलाज पर केन्द्रित रही। बीएमसी की कोशिशों की थीम रही **'क्लोज़िंग द केयर गैप'** यानी कैंसर के इलाज में जो कमियां हैं उन्हें दूर करना और इसके लिए कैंसर केयर को लोगों के दरवाजे तक पहुंचाया गया। इसके तहत एक मैमोग्राफी वैन को लोगों के बीच भेजा गया जिसमें स्तन कैंसर, बच्चे दानी तथा सिर व गर्दन के कैंसर का पता लगाने की जांच की गई। ये तीनों कैंसर भारत में सबसे ज्यादा आम हैं। इसके अलावा रायपुर में एक कीमोथेरपी डे केयर सेंटर भी खोला गया है ताकि कैंसर रोगियों को कीमोथेरपी के लिए दूरस्थ जगहों की यात्रा न करनी पड़े। बालको ने कोरबा में हैल्पेज इंडिया एनजीओ के सहयोग से विभिन्न कार्यक्रम और जागरुकता शिविर आयोजित किया।

4 फरवरी को विश्व कैंसर दिवस मनाया जाता है, यह एक वैश्विक पहल है जो कैंसर के बारे में जागरुकता बढ़ाने को समर्पित है तथा इस दिवस पर कैंसर रोगियों व सर्वाइवरों की दृढ़ता व इच्छाशक्ति का सम्मान किया जाता है। कंपनी की गतिविधियों के अंतर्गत बीएमसी ने स्कूलों एवं सोसाइटियों में जागरुकता सत्र तथा रायपुर शहर में एक कैंसर जागरुकता वॉक भी आयोजित किया गया। इसके साथ ही बीएमसी ने प्रिवेंटिव कैंसर स्क्रीनिंग पैकेजों व फार्मेसी पर विशेष ऑफर तथा कैंसर रोगियों के लिए मुफ्त सेकंड ओपिनियन की भी घोषणा की है।

इस अवसर पर बालको मेडिकल सेंटर की अध्यक्ष सुश्री ज्योति अग्रवाल ने कहा कि विश्व कैंसर दिवस हमें याद दिलाता है कि कैंसर के खिलाफ लड़ाई केवल क्लीनिकों और प्रयोगशालाओं में ही नहीं लड़ी जा रही है बल्कि उन लोगों के दिल-दिमागों में भी लड़ी जा रही है जो इससे प्रभावित हैं। बालको मेडिकल सेंटर में हम ग्रामीण इलाकों के लोगों को उत्तम क्वालिटी की स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने तथा स्वास्थ्य सेवाओं के अंतर को पाटने, जागरुकता बढ़ाने एवं कैंसर के साथ जुड़ी नकारात्मक धारणाओं को दूर करने और रोग का शीघ्र पता लगाने व इलाज शुरु करने हेतु प्रतिबद्ध हैं।

वेदांता मेडिकल रिसर्च फाउंडेशन द्वारा स्थापित तथा अनिल अग्रवाल फाउंडेशन द्वारा समर्थित बालको मेडिकल सेंटर उत्तम चिकित्सा सेवाओं को पहुंचनीय बनाते हुए लाखों लोगों की जिंदगी में सकारात्मक परिवर्तन ला रहा है। बीएमसी के प्रतिष्ठित कैंसर विशेषज्ञ नियमित रूप से लोगों को जागरुक करने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करते रहते हैं जिससे लोगों को मालूम चले कि वक्त पर निवारक जांच एवं बीमारी घटाने के उपाय कैंसर के विभिन्न प्रकारों के खिलाफ कितने महत्वपूर्ण होते हैं। बीएमसी के समर्पित चिकित्सा विशेषज्ञ विद्यार्थियों, कामकाजी पेशेवरों व समुदाय के अन्य सदस्यों तक विभिन्न मंचो के जरिए पहुंचते हैं जैसे जागरुकता वार्ता, स्वास्थ्य शिविर एवं वेबिनार। बालको मेडिकल सेंटर में कैंसर उपचार के अलावा सभी रोगियों को मनोवैज्ञानिक, पोषण संबंधी एवं शारीरिक थेरेपी भी प्रदान की जाती है, साथ ही इलाज के दौरान भावनात्मक सम्बल हेतु रोगी सहायता समूहों में सदस्यता भी दी जाती है।

अब तक 35 हजार लोग पहुंचे कैंसर अस्पताल

2018 में अपनी स्थापना से लेकर अब तक बीएमसी 35,000 से ज्यादा रोगियों को सेवाएं दे चुका है तथा देश में कैंसर जागरुकता व उपचार में मौजूद कमियों को दूर कर रहा है। यह केन्द्र भारत का सबसे बेहतर कैंसर अस्पताल है जहां मरीज एडवांस्ड रेडिएशन थेरपी, ब्रैकीथेरपी, न्यूक्लियर मेडिसिन, सर्जरी, कीमोथेरपी, इम्यूनोथेरपी, रक्त-संबंधी विकारों, प्लास्टिक व रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी तथा पीड़ा एवं प्रशामक देखभाल जैसे उपचारों के लिए आते हैं। इस अत्याधुनिक अस्पताल में 170 बिस्तर और अत्याधुनिक डायग्नोस्टिक व थेरप्यूटिक क्षमताएं मौजूद हैं। बालको मेडिकल सेंटर देश में कैंसर के इलाज, जागरुकता, इंफ्रास्ट्रक्चर और विशेषज्ञता की कमियों को दूर करने के लिए प्रयासरत है। इसके अलावा इस सेंटर ने प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ गठजोड़ भी कायम किए हैं जिनमें टाटा मैमोरियल सेंटर, मुंबई तथा जिनोमिक्स बायोटेक में अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान कंपनी अनुवा शामिल हैं।

डायरेक्टर डॉ. भावना सिरोही क्या कहती है ?

कैंसर के बारे में जागरुकता बढ़ाने पर बालको मेडिकल सेंटर की भूमिका के बारे में बीएमसी की मेडिकल डायरेक्टर डॉ भावना सिरोही ने कहा कि कैंसर डायग्नोसिस में देरी का मतलब है कि मरीज ठीक नहीं हुए हैं, वे वित्तीय एवं टाईम टॉक्सिसिटी से पीड़ित हैं। कैंसर के भारी-भरकम खर्चे उन्हें और ज्यादा गरीबी में धकेल देंगे - यह हमारे देश की सेहत के लिए प्रतिकूल स्थिति है। इस विश्व कैंसर दिवस पर बालको मेडिकल सेंटर ने कैंसर जागरुकता शिविरों की श्रृंखला आयोजित की ताकि वक्त पर डायग्नोसिस को बढ़ावा मिले। डायग्नोसिस से मरीजों के ठीक होने की दर बढ़ेगी, जीवन की गुणवत्ता में सुधार होगा, उपचार की लागत एवं अवधि घटेगी जो एक सेहतमंद राष्ट्र के लिए जरूरी है। दिवस पर किए गए कार्यक्रमों में कैंसर को लेकर फैली नकारात्मक धारणाओं को मिटाने पर खास तवज्जो दी गई।

राजवाड़े कुर्मी समाज ने किया झोराघाट में वनभोज का आयोजन

सामूहिक वनभोज से समाज को मिलती है गति-कृपासिंधु

वनभोज में स्वादिष्ट व्यंजनों का उठाया लुफ्त, गीत, संगीत एवं खेलों से सदस्यों ने किया मनोरंजन

कोरबा (दिव्य आकाश)।

राजवाड़े कुर्मी समाज की शहरी ईकाई का वनभोज पर्यटन स्थल झोराघाट की प्राकृतिक सुंदरता के बीच संपन्न हुआ। इस अवसर पर जिले के शहरी क्षेत्रों में निवासरत समाज के सैकड़ों लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्ज की। सबसे पहले मां सरस्वती के तैल्यचित्र पर दीप प्रज्वलन व पुष्प चढ़ाकर पूजा अर्चना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ समाज के वरिष्ठजनों ने किया। तत्पश्चात दूर दराज से आये सदस्यों का पारिवारिक परिचय हुआ, उसके बाद सभी ने सामूहिक भोज में स्वादिष्ट व्यंजनों का लुफ्त उठाया। वनभोज के बाद छोटे-छोटे बच्चों ने नृत्य के माध्यम से अपनी प्रतिभाओं का प्रदर्शन किया। परिचय में प्रतिभावान बच्चों एवं सदस्यों का भी परिचय हुआ और सभी को आगे बढने की प्रेरणा मिली। इसके बाद हौजी खेल के माध्यम से सबका मनोरंजन हुआ। इस खेल में सभी ने भाग लिया। इस खेल का संचालन सौरभ राजवाड़े ने किया। विजेता नकद पुरस्कार भी प्राप्त किये। कार्यक्रम के अंतिम चरण में राजवाड़े कुर्मी समाज शहरी ईकाई के महिला प्रकोष्ठ का चुनाव हुआ। सर्वसम्मति से श्रीमती कलिन्द्री राजवाड़े को अध्यक्ष चुना गया। वे अपनी कार्यकारिणी का शीघ्र ही गठन कर लेंगी और आगामी बैठक में नई कार्यकारिणी बनाने की घोषणा की गई।

वनभोज में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए शहरी इकाई के अध्यक्ष कृपासिंधु राजवाड़े ने कहा कि इस तरह के सामुहिक आयोजन से समाज को गति मिलती है और आचार-विचारों का आदान-प्रदान होता है और सामाजिक एकता के साथ सभी से मेल मिलाप होता है और सद्भावना बढ़ती है। पूर्व केन्द्रीय अध्यक्ष भोजराम राजवाड़े ने कहा कि यह खुशी की बात है कि अब महिला शक्ति भी बढ़चढ़ कर हिस्सा ले रही है और जिस समाज की महिलाएं जागरूक होंगी, वह समाज आगे बढ़ेगा ही। उन्होंने बच्चों को बेहतर शिक्षा देकर आगे बढ़ाने महिला शक्ति से आह्वान किया।

इस सामूहिक वनभोज में जिले के शहरी क्षेत्रों के सैकड़ों लोगों ने अपनी सहभागिता दी। कार्यक्रम का संचालन सचिव शैलेन्द्र राजवाड़े ने किया,वहीं अधिवक्ता रोहित राजवाड़े ने सबका आभार जताया और सफल आयोजन के लिए सक्रिय पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का भी आभार जताया। कार्यक्रम के अंत में सक्रिय पदाधिकारियों अध्यक्ष कृपासिंधु राजवाड़े, जगदीश राजवाड़े,बलीराम राजवाड़े, हर नारायण राजवाड़े, रामधन राजवाड़े, संतोष राजवाड़े सहित समाज में बेहतर भूमिका निभाने वाले सदस्यों एवं पदाधिकारियों का सम्मान किया गया। वनभोज समारोह में अपनी प्रतिभाओं का प्रदर्शन करने वाले नन्हें-मुन्ने बच्चों को पुरस्कार देकर उनका हौसला बढ़ाया। इस अवसर पर संरक्षक सदस्य जयनारायण राजवाड़े, सालिकराम राजवाड़े, रामचंद्रा राजवाड़े, जीवनलाल राजवाड़े, निरंजन राजवाड़े, मदनलाल राजवाड़े, दीपका इकाई के अध्यक्ष संतोष राजवाड़े, उपाध्यक्ष राजू राजवाड़े तथा शहरी ईकाई एवं महिला प्रकोष्ठ के पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

कलिंद्री बनी महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष

वनभोज कार्यक्रम में महिला सम्मेलन भी हुआ, जिसमें कलिंद्री राजवाड़े को राजवाड़े कुर्मी समाज महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष सर्वसम्मति से चुना गया।

नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः । न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारुतः ॥

शोक संदेश

स्व. श्री गांधी राम मन्नेवार

अत्यंत दुख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि मेरे पूज्य पतिश्री श्री गांधी राम मन्नेवार का स्वर्गवास दिनांक 3 फरवरी 2024 दिन शनिवार को हो गया। उनका अंतिम संस्कार 4 फरवरी 2024 को किया गया । उनका दसगात्र व चंदनपान 13 फरवरी 2024 दिन मंगलवार को आयोजित है । दिवंगत आत्मा की शांति के लिए आयोजित कार्यक्रम में आपकी उपस्थिति प्रार्थनीय है।

शोकाकुल
उरमालसाय, कुमार, संतोष कुमार, संत कुमार, रवि कुमार, सूर्यांश, ओमप्रकाश, अशोक, कमलेश मन्नेवार,

कार्यक्रम
ग्राम-नवापारा अमलडीहा, पोस्ट-उमरेली
तहसील-बरपाली, जिला कोरबा छत्तीसगढ़
दिनांक : 13 फरवरी 2024 (मंगलवार)

विनीत
महेत्तरीन बाई (पत्नी)
सुखसागर मन्नेवार (पुत्र) - 7974335156
सीनियर रिपोर्टर दैनिक भास्कर कोरबा
सुनाउ राम मन्नेवार (भाई)

लेमरू, नकिया, विमलता में महतारी वंदन योजना की हितग्राहियों से मिले कलेक्टर, कहा- कोई भी लाभ से वंचित न हों

कोरबा (दिव्य आकाश)।

जिले के दूरस्थ वनांचलों में महतारी वंदन योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए महिलाओं में खुशी एवं उत्साह है। योजना का लाभ लेने महिलाएं शिविरो में पहुँचकर आवेदन जमा कर रही है। कलेक्टर अजीत वसंत ने कोरबा विकासखंड के ग्राम लेमरू, नकिया एवं विमलता में महतारी वंदन योजना अंतर्गत महिलाओं द्वारा किए जा रहे आवेदन कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने महिलाओं से योजना की प्रतिक्रिया लेते हुए सभी पात्र महिलाओं को आवेदन करने की बात कही। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ संबित मिश्रा, जनपद पंचायत कोरबा सीईओ श्रीमती इंदिरा भगत सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने कहा कि महतारी वंदन योजना शासन की महत्वपूर्ण योजना है। जिसके माध्यम से शासन द्वारा महिलाओं को आर्थिक रुप से मजबूत बनाने के लिए कार्य किया जा रहा है। कलेक्टर ने कहा कि महिलाओं को फॉर्म भरने में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होना चाहिए, सभी अधिकारी इस बात का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि सभी पात्र महिलाओं को योजना का लाभ मिलना चाहिए, कोई भी पात्र महिला योजना का लाभ लेने से वंचित नहीं होनी चाहिए। इस हेतु सभी पात्र महिलाएं निर्धारित समयावधि में आवेदन अनिवार्य रूप से जमा करें। पंचायत के सरपंच, सचिव आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व मितानिनों को महिलाओं को सहयोग प्रदान करने के निर्देश दिए।

महिलाओं को फॉर्म जमा करने के दौरान, अनिवार्य रूप से पावती करें प्रदान - कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को आंगनबाड़ी केन्द्रों में पर्याप्त संख्या में महतारी वंदन का फार्म रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आवेदन भरने में महिलाओं को दिक्कत नहीं होनी चाहिए। महिलाओं को फार्म भरने में मार्गदर्शन करें एवं इसके लिए आवश्यक दस्तावेज के संबंध में जानकारी प्रदान करें। उन्होंने महिलाओं को आवेदन जमा करने दौरान ही अनिवार्य रूप से पावती प्रदान करने के निर्देश दिए। जिससे उनके पास फॉर्म जमा करने का प्रमाण रहें एवं आगे चलकर किसी प्रकार की परेशानी का सामना ना करना पड़े।

पीएम आवास के हितग्राहियो को आवास निर्माण कार्य जल्द प्रारंभ करने के दिए निर्देश- कलेक्टर अजीत वसंत ने ग्राम लेमरू व विमलता में विशेष पिछड़ी जनजाति परिवार के प्रधानमंत्री आवास के हितग्राहियों से भेंटकर आवास निर्माण की जानकारी ली। उन्होंने प्रथम किश्त की राशि प्राप्त सभी हितग्राहियो को जल्द से जल्द आवास निर्माण कार्य प्रारंभ कराने की समझाइश दी। उन्होंने कहा कि पीएम आवास केंद्र एवं राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है। मिट्टी के कच्चे मकानों में सर्दी, बरसात के दिनों में बहुत तकलीफ होती है। इस हेतु आप सभी पीएम आवास के तहत अपना आवास निर्माण जल्दी प्रारंभ करें। साथ ही द्वितीय, तृतीय किश्त प्राप्त हितग्राहियो से भी शीघ्रता से अपना आवास पूर्ण कराने की बात कही। कलेक्टर ने सरपंच सचिव को नियमित रूप से आवास कार्य का मॉनिटरिंग करने एवं ग्रामीणों को आवास निर्माण शीघ्र पूर्ण करने हेतु प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। इस दौरान कलेक्टर श्री वसंत ने लेमरू पंचायत में पीएम आवास के हितग्राही श्री धर्म सिंह राठिया के पीएम आवास निर्माण कार्य का अवलोकन करते हुए जारी राशि, मजदूरी भुगतान के संबंध में जानकारी ली।

1954 से हुई शुरूआत... अब तक 53 हस्तियों को मिल चुका है भारत रत्न

नई दिल्ली, एजेंसी।

पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह, पी वी नरसिम्हा राव और 'हरित क्रांति के जनक एम एस स्वामीनाथन को भारत रत्न देने के फैसले से देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान पाने वालों की संख्या 53 हो गई है। इनमें से पांच शख्सियतों को 2024 में यह सम्मान देने की घोषणा की गई, जो अब तक एक वर्ष में अधिकतम संख्या है। इससे पहले, 1999 में चार शख्सियतों को भारत रत्न से सम्मानित किया गया था।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को घोषणा की कि पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह, पी वी नरसिम्हा राव और मशहूर वैज्ञानिक व देश में 'हरित क्रांति के जनक डॉ एम एस स्वामीनाथन को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया जाएगा। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जाट नेता चौधरी चरण सिंह ऐसे समय में कांग्रेस विरोधी राजनीति की धुरी के रूप में उभरे थे, जब देश भर में पार्टी का वर्चस्व था। राव को आर्थिक सुधारों के लिए जाना जाता है।

प्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक स्वामीनाथन ने गेहूं और चावल की अधिक उपज देने वाली किस्मों को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे 1960 और 1970 के दशक के दौरान पूरे भारत में खाद्यान्न उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। उन्हें चुनौतीपूर्ण समय के दौरान भारत को कृषि में आत्मनिर्भरता हासिल करने में मदद करने और भारतीय कृषि क्षेत्र को आधुनिक बनाने की दिशा में उत्कृष्ट प्रयास करने का श्रेय दिया जाता है। पिछली बार, 2019 में भारत रत्न सम्मान प्रणब मुखर्जी और मरणोपरांत भूपेन्द्र कुमार हजारिका और नानाजी देशमुख को प्रदान किया गया था। 2020 से 2023 के बीच यह सम्मान किसी को नहीं दिया गया।

1954 से हुई शुरूआत

भारत सरकार ने 1954 में दो नागरिक पुरस्कार-भारत रत्न और पद्म विभूषण - की शुरुआत की थी। पद्म विभूषण की तीन श्रेणियां थीं- पहला वर्ग, दूसरा वर्ग और तीसरा वर्ग। बाद में आठ जनवरी, 1955 को राष्ट्रपति की एक अधिसूचना के माध्यम से इनका नाम बदलकर पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्मश्री कर दिया गया। भारत रत्न देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान है। यह समाज के किसी भी क्षेत्र में असाधारण सेवा या उच्चतम स्तर के प्रदर्शन को मान्यता देने के लिए प्रदान किया जाता है। भारत रत्न के लिए प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्रपति को सिफारिश की जाती है। इस पुरस्कार के लिए किसी औपचारिक अनुशंसा की आवश्यकता नहीं है।

यह सम्मान 2019, 1997, 1992, 1991, 1955 और 1954 सहित कई अवसरों पर एक वर्ष में तीन व्यक्तियों को दिया गया था। 2015, 2014, 2001, 1998, 1990, 1963 और 1961 सहित कई अवसरों पर यह दो व्यक्तियों को दिया गया, जबकि ऐसे वर्ष भी रहे हैं जब यह सम्मान किसी को भी प्रदान नहीं किया गया था। पहले वर्ष में, यह प्रतिष्ठित सम्मान सी. राजगोपालाचारी, सर्वपल्ली राधाकृष्णन और चंद्रशेखर वेंकटरमन को प्रदान किया गया था।

इन हस्तियों को मिला देश का सर्वोच्च सम्मान

पूर्व में इस पुरस्कार से सम्मानित होने वालों में सी राजगोपालाचारी (1954), सर्वपल्ली राधाकृष्णन (1954), सी.वी. रमन (1954), भगवान दास (1955), एम. विश्वरवैया (1955), जवाहरलाल नेहरू (1955), गोविंद बल्लभ पंत (1957), धोंडो केशव कर्वे (1958), बिधन चंद्र रॉय (1961), पुरुषोत्तम दास टंडन (1961), राजेंद्र प्रसाद (1962), जाकिर हुसैन (1963), पांडुरंग वामन काणे (1963), लाल बहादुर शास्त्री (1966), इंदिरा गांधी (1971), वी.वी. गिरी (1975), कामराज (1976), मदर टेरेसा (1980), विनोबा भावे (1983), खान अब्दुल गफ्फार खान (1987), एम.जी. रामचंद्रन (1988), भीमराव अंबेडकर (1990), नेल्सन मंडेला (1990), राजीव गांधी (1991) और सरदार वल्लभभाई पटेल (1991) शामिल हैं।

इसके अलावा मोरारजी देसाई (1991), अबुल कलाम आजाद (1992), जेआरडी टाटा (1992), सत्यजीत रे (1992), गुलजारी लाल नंदा (1997), अरूणा आसफ अली (1997), एपीजे अब्दुल कलाम (1997), एम.एस. सुब्बूलक्ष्मी (1998), चिदंबरम सुब्रमण्यम (1998), जयप्रकाश नारायण (1999), अमर्त्य सेन (1999), गोपीनाथ बोर्दोलोई (1999), रविशंकर (1999), लता मंगेशकर (2001), बिस्मिल्लाह खान (2001), भीमसेन जोशी (2009), सीएनआर राव (2014), सचिन तेंदुलकर (2014), मदन मोहन मालवीय (2015), अटल बिहारी वाजपेई (2015), प्रणव मुखर्जी (2019), नानाजी देशमुख (2019), भूपेन हजारीका (2019), कर्पूरी ठाकुर (2024), लाल कृष्ण आडवाणी (2024), चौधरी चरण सिंह (2024), पी. वी. नरसिंह राव (2024) और एम एस स्वामीनाथन (2024) के नाम शामिल हैं। सम्मान के तहत राष्ट्रपति द्वारा हस्ताक्षरित एक सनद (प्रमाण पत्र) और एक पदक प्राप्त होता है। सम्मान में कोई धनराशि नहीं दी जाती है।

कोई कसर रहती ? किस मुंह से इनकार करूं ? एनडीए में जाने के सवाल पर बोले आरएलडी प्रमुख जयंत चौधरी

नई दिल्ली, एजेंसी।

आरएलडी अध्यक्ष जयंत चौधरी ने शुक्रवार को अनौपचारिक तौर पर एनडीए में शामिल होने की हामी भर दी है। दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्व पीएम चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न दिए जाने का ऐलान किया। इसके बाद जयंत चौधरी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पीएम मोदी की जमकर तारीफ की। जब उनसे एनडीए में शामिल होने के बारे में पूछा गया तो जयंत ने कहा कि किस मुंह से इनकार करूं।

जयंत चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश का मूड समझते हैं। आरएलडी प्रमुख ने कहा कि एक ऐसा निर्णय जो पिछली कोई भी सरकार नहीं ले पाई थी, वह प्रधानमंत्री की दूरदर्शिता और समर्पण से लिया गया है। चौधरी से जब पूछा गया कि क्या वह भाजपा के साथ हाथ मिलाने के लिए तैयार हैं, तो

उन्होंने कहा, कोई कसर रहती है? आज मैं किस मुंह से इनकार करूं आपके सवालों को? (क्या अब कुछ बचा है? उन्होंने कहा कि मैं आज आपके प्रश्नों का खंडन कैसे कर सकता हूं?

जयंत ने कहा कि यह देश के लिए एक बड़ा दिन है। यह मेरे लिए एक भावनात्मक क्षण है, यह यादगार है। मैं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, भारत सरकार और विशेष रूप से प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद देना चाहता हूं क्योंकि यह उनके दृष्टिकोण का एक हिस्सा है। उन्होंने कहा कि तीन पुरस्कारों की घोषणा की गई और खासकर चरण सिंह को भारत रत्न की घोषणा एक बड़ा संदेश देती है। सरकार के इस फैसले से इस देश की भावनाएं जुड़ी हुई हैं। मोदी जी ने दिखाया है कि वह देश की सोच और भावनाओं को समझते हैं।

चौधरी ने कहा कि गांवों में लोगों के दिलों में यह दर्द है कि इतने ऊंचे पदों पर रहने वाले, महत्वपूर्ण फैसले लेने वाले और वंचित वर्गों के लिए काम करने वाले कद्दावर जन नेता को मान्यता नहीं दी गई। उन्होंने कहा, सरकार ने उन लोगों को प्रोत्साहित करने का निर्णय लिया है जो मुख्यधारा में नहीं हैं। मैं आज के दिन चौधरी अजित सिंह को याद करता हूं, यह उनका सपना था। मैं उस सपने को साकार करने के लिए विशेष रूप से पीएम मोदी को धन्यवाद देता हूं।

पुरस्कार को भाजपा के साथ आगामी लोकसभा चुनाव लड़ने से जोड़े जाने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, हम चुनाव जीतें या हारें, मैं गठबंधन में जा रहा हूं या नहीं, यह सवाल नहीं है, आज का फैसला याद रखा जाएगा। पीढ़ियों के लिए। यदि यह कांग्रेस पार्टी का बयान है, तो मैं इसकी आलोचना करता हूं।

पिछली कांग्रेस नीत सरकारों द्वारा चरण सिंह को भारत रत्न से सम्मानित नहीं करने पर चौधरी ने कहा, भारत की सत्ता केवल कुछ लोगों तक ही सीमित रही है जो मुख्यधारा का हिस्सा थे, इसलिए उनके माध्यम से निर्णय लिए जाते थे। नए भारत में ये सभी चीजें होंगी। बदल रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनके पिता और पूर्व मंत्री अजित सिंह ने काफी प्रयास किया जिसके बाद यूपीए-2 के दौरान फैसला लिया गया कि लखनऊ एयरपोर्ट का नाम चरण सिंह के नाम पर रखा जाएगा।

संगम में 2 करोड़ श्रद्धालुओं की डुबकी, हेलिकॉप्टर से पुष्प-वर्षा

प्रयागराज, एजेंसी।

आज मौनी अमावस्या है। प्रयागराज, वाराणसी और अयोध्या में श्रद्धा का सैलाब उमड़ा हुआ है। प्रयागराज संगम में शाम 6 बजे तक 2 करोड़ 18 लाख लाख श्रद्धालुओं ने संगम के तट पर डुबकी लगाई। प्रशासन ने हेलिकॉप्टर से पुष्प वर्षा की। काशी के सभी घाट हाउस फुल हैं। यहां सुबह से ही लाखों श्रद्धालुओं ने गंगा में डुबकी लगाई। रामनगरी अयोध्या में भी कुछ ऐसा ही है। सरयू घाट पर सुबह से श्रद्धालुओं का सैलाब है। यहां देर शाम तक 3 लाख से ज्यादा लोग स्नान कर चुके हैं। हनुमानगढ़ी के बाहर भक्तों की इतनी भीड़ है कि पुलिस के लिए कंट्रोल करना मुश्किल है। 2 किमी. से ज्यादा लंबी लाइनें लगी हैं।

प्रशासन का अनुमान है कि प्रयागराज में 2.5 करोड़ लोग पहुंच सकते हैं। यहां देर रात से ही श्रद्धालु का रेला संगम नोज की तरफ बढ़ता दिखने लगा। स्नान के लिए गंगा और यमुना पर कुल 12 घाट बनाए हैं। मेला क्षेत्र में बने सभी शिविर हाउसफुल हो चुके हैं।

प्रयागराज मेला प्राधिकरण की ओर से विशेष इंतजाम किए गए हैं। घाटों की लंबाई 6800 रनिंग फीट से 8000 कर दी गई। प्रयागराज पुलिस कमिश्नर रमित शर्मा ने बताया कि ड्रोन से निगरानी की जा रही है। मेला क्षेत्र में भीड़ को देखते हुए वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध हैं।

अखिल भारतीय दंडी संन्यासी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष पीठाधीश्वर स्वामी ब्रह्माश्रम महराज (वृंदावन) ने बताया कि शुक्रवार को सुबह 7.32 बजे से दूसरे दिन शनिवार को भोर में सवा चार बजे स्नान का शुभ मुहूर्त है। उन्होंने कहा मौनी अमावस्या पर स्नानार्थियों को मौन होकर स्नान करना चाहिए, तभी मौनी अमावस्या का अक्षय फल मिलता है। स्नान के बाद अन्न-वस्त्र सहित अन्य सामग्रियों का दान करना चाहिए।

संगम में भीड़ को देखते हुए टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर जारी किया गया है। श्रद्धालु-18001805340 व 18001805350 नंबर पर कॉल कर सकते हैं। इसके अलावा कंट्रोल रूम भी बनाया है। इसका नंबर 9454401971 व 05322501040 है। इन नंबरों पर भी श्रद्धालु 24 घंटे कॉल कर सकते हैं। वहीं डायल-112 पर भी काल करने के लिए जल में ही पुलिस मदद के लिए मौजूद रहेगी।

लैंड फॉर जॉब्स केस

राबड़ी, हेमा और मीसा को जमानत

पटना/नई दिल्ली, एजेंसी।

लैंड फॉर जॉब्स मामले में दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने राबड़ी देवी, मीसा भारती और हेमा यादव को सुनवाई की अगली तारीख तक अंतरिम जमानत दे दी है। कोर्ट ने तीनों को 1 लाख का बेल बॉन्ड भरने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई 27 फरवरी को होगी।

राबड़ी देवी, मीसा भारती और हेमा के साथ ह्रदयानंद को भी कोर्ट ने अंतरिम जमानत दी है। जज विशाल गोगने की कोर्ट में ये सुनवाई हुई। मीसा भारती व्हीलचेयर पर बैठकर कोर्ट पहुंचीं थीं। श्रेष्ठ ने कोर्ट में 4751 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की। इसके बाद कोर्ट ने नोटिस जारी कर ईडी से जवाब मांगा है।

जानकारी के मुताबिक, राबड़ी देवी, मीसा भारती, हेमा यादव और ह्रदयानंद चौधरी की तरफ से कोर्ट में रेगुलर बेल फाइल किया गया था। कोर्ट में आरोपियों की याचिका पर सुनवाई के दौरान ईडी ने इसका विरोध किया। ईडी ने रेगुलर बेल के खिलाफ जवाब दाखिल करने की बात कही। ईडी ने कहा कि मामले की जांच चल रही है ऐसे में इन्हें रेगुलर बेल नहीं दी जानी चाहिए।

ईडी की दलील पर कोर्ट ने कहा कि जब सीबीआई के केस में सभी आरोपी जमानत पर हैं तो इन्हें जमानत मिलनी चाहिए। आरोप है कि लालू प्रसाद ने रेल मंत्री रहते हुए रेलवे में नौकरी देने के बदले अपने और अपने परिवार के लोगों के नाम पर जमीन और फ्लैट की रजिस्ट्री कराई थी।

बिहार में सरकार बदलते ही लैंड फॉर जॉब्स मामले में राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की मुश्किलें लगातार बढ़ रही हैं। ईडी और सीबीआई दोनों जांच एजेंसियों का शिकंजा लालू परिवार पर कसता जा रहा है।

ईडी ने 29 जनवरी को लालू प्रसाद यादव से 10 घंटे तक पूछताछ की, तो 30 जनवरी को पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव से लगभग 8 घंटे तक सवाल-जवाब किए थे।

निर्मला बोलीं- यूपीए ने अर्थव्यवस्था का सत्यानाश किया

नई दिल्ली, एजेंसी।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को यूपीए और एनडीए के 10 साल का कामकाज पर श्वेत पत्र पर स्पीच दी। वित्त मंत्री ने कहा कि 10 साल के कामकाज पर ये श्वेत पत्र बड़ी ही जिम्मेदारी के साथ रखा गया है।

सीतारमण ने कॉमनवेल्थ गेम्स घोटाला, कोल स्कैम, एनपीए , कोल ब्लॉक एलोकेशन जैसे मुद्दों के जरिए यूपीए सरकार पर निशाना साधा। सीतारमण ने कहा कि यूपीए की नीति कभी भी नेशन फर्स्ट की नहीं रही। इन्होंने फैमिली फर्स्ट नीति रखकर अर्थव्यवस्था को बदहाल कर डाला।

सीतारमण ने कहा कि इन्होंने जो सत्यानाश किया, उसे हमने सुधारा और आज ये मगरमच्छ के आंसू रो रहे हैं। स्पीच के अंत में सीतारमण ने कहा कि हमारी जिम्मेदार सरकार ने अर्थव्यवस्था को बहुत खराब स्थिति से उबारा है। आज यहां पहुंचे हैं तो 10 साल की मेहनत है। 2047 में विकसित भारत बनाने वाले हम ही होंगे।

इससे पहले वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को लोकसभा में भारतीय अर्थव्यवस्था पर 59 पेज का श्वेत पत्र पेश किया था। इसमें बताया गया है कि जब 2014 में मोदी सरकार ने सत्ता संभाली, तो अर्थव्यवस्था नाजुक स्थिति में थी। 2014 में जब मोदी सरकार आई तो उसने कठोर फैसले लिए, जिससे अर्थव्यवस्था पटरी पर आई।

सीतारमण की स्पीच की 5 अहम बातें...

2008 में ग्लोबल फाइनेंशियल क्राइसिस उतनी गंभीर बात नहीं थी, जितनी की कोविड-19। मोदी सरकार ने देश को कोविड के हालात से उबारा। ग्लोबल फाइनेंशियल क्राइसिस के दौरान यूपीएसरकार को गंभीरता से काम करना था।

यूपीए सरकार ने देश के हित की रक्षा के लिए कुछ नहीं किया। घोटालों पर घोटाले होते रहे और इन लोगों ने देश को बुरे हालात में छोड़ दिया। कोल स्कैम की वजह से देश को 1.86 लाख करोड़ का नुकसान हुआ। ये कैग की रिपोर्ट में लिखा है।

कोल सेक्टर का ये सत्यानाश कर गए। हमने ट्रांसपेरेंट तरीके से सुधार किया। 2020 से 9 बार ऑक्शन में कोल ब्लॉक का एलोकेशन हुआ। हमने पीछे के दरवाजे से मेरे भाई, मेरे बहन, मेरे भतीजे को एलोकेशन नहीं दिया है।

आपने कोयला को राख बना दिया। हमने अपनी नीतियों के तप से कोयले को हीरा बना दिया। मेरा हिंदी भी थोड़ा एंटरटेनिंग है, आपको अच्छा लगेगा (विपक्ष ने हंगामा और नारेबाजी की तो वित्तमंत्री ने चुटकी ली।)

हमने 10 साल तक मेहनत की। कमजोर हो चुकी 5 अर्थव्यवस्थाओं की लिस्ट में से देश को टॉप 5 इकॉनमी की स्टेज में लेकर आए। इसके बाद हमारी सरकार ने बहुत जिम्मेदारी के साथ ये श्वेत पत्र सदन में रखा है।

2024 लोकसभा चुनाव में 97 करोड़ वोटर्स-ईसी बोला- 2 करोड़ नए मतदाता जुड़े, 5 साल में महिला-युवा और दिव्यांग मतदाता बढ़े

नई दिल्ली, एजेंसी।

2024 लोकसभा चुनाव में 97 करोड़ लोग वोटिंग कर सकेंगे। चुनाव आयोग ने शुक्रवार को सभी 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों के वोटर्स से जुड़ी स्पेशल समरी रिवीजन 2024 रिपोर्ट जारी की।

आयोग ने बताया कि, वोटिंग लिस्ट में 18 से 29 साल की उम्र वाले 2 करोड़ नए वोटर्स को जोड़ा गया है। 2019 लोकसभा चुनाव के मुकाबले रजिस्टर्ड वोटर्स की संख्या में 6 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

चुनाव आयोग ने कहा- दुनिया में सबसे ज्यादा 96.88 करोड़ वोटर्स लोकसभा चुनावों में वोटिंग के लिए रजिस्टर्ड हैं। साथ ही जेंडर रेशो भी 2023 में 940 से बढ़कर 2024 में 948 हो गया है।

1 करोड़ 65 लाख 76 हजार 654 मृतकों, किसी दूसरी जगह शिफ्ट हो चुके और डुप्लीकेट वोटर्स के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। इसमें 67 लाख 82 हजार 642 डेड वोटर्स, 75 लाख 11 हजार 128 एबसेंट वोटर्स और 22 लाख 5 हजार 685 डुप्लीकेट वोटर्स शामिल हैं।

वोटर लिस्ट में 2.63 करोड़ से ज्यादा नए वोटर्स का नाम जोड़ा गया है। जिनमें से लगभग 1.41 करोड़ महिला वोटर्स हैं। इनकी संख्या रजिस्टर्ड पुरुष वोटर्स से (1.22 करोड़) से 15 प्रतिशत ज्यादा है। वोटर डेटाबेस में लगभग 88.35 लाख दिव्यांग मतदाता रजिस्टर्ड हैं।

17 साल से ज्यादा उम्र के 10.64 लाख युवाओं ने वोटिंग लिस्ट में नाम जुड़वाने आवेदन दिया है। इनमें तीन तारीखों 1 अप्रैल, 1 जुलाई और 1 अक्टूबर को 18 की उम्र पूरी करने वाले युवा शामिल हैं।

चुनाव आयोग ने निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन के बाद जम्मू-कश्मीर और असम में भी मतदाता सूचियों का रिवीजन पूरा कर लिया है।

चुनाव आयोग की चेतावनी- प्रचार में बच्चों का इस्तेमाल न करें

चुनाव आयोग ने 5 फरवरी को सभी राजनीतिक दलों को सलाह दी है कि चुनाव प्रचार अभियानों में बच्चों का इस्तेमाल किसी भी रूप में न करें। पार्टियों को भेजी गई एडवाइजरी में चुनाव पैनल ने पार्टियों और उम्मीदवारों से चुनावी प्रक्रिया के दौरान बच्चों से पोस्टर और पर्चे बांटने, नारेबाजी करने को लेकर जीरो टॉलरेंस जाहिर किया है।

कांग्रेस का भविष्य शून्य, पूर्व राष्ट्रपति की बेटी ने साधा जमकर निशाना

नई दिल्ली, एजेंसी।

लोकसभा चुनाव से पहले पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की बेटी शर्मिष्ठा मुखर्जी ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी का भविष्य शून्य है। उन्होंने नई लीडरशिप पर जोर देते हुए कहा कि जब तक कांग्रेस में नया चेहरा, नया विचार और नया नेतृत्व सामने नहीं आएगा। तभी कांग्रेस का भला होगा। शर्मिष्ठा ने कहा शकि इंडी गठबंधन की सहयोगी ममता बनर्जी कर रही हैं कि कांग्रेस 40 सीटें भी नहीं जीत पाएगी। उन्होंने आगे कहा, मेरी राय में, जब तक राहुल गांधी या गांधी परिवार कांग्रेस का चेहरा बने रहेंगे, तब तक नए चेहरे, नए विचारों और नए नेतृत्व का समय नहीं आएगा। 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने 52 सीटें जीतीं, जबकि 2014 के चुनाव में उसे 44 सीटें मिलीं। शर्मिष्ठा मुखर्जी ने शुक्रवार को राहुल गांधी को उनकी नई किताब के विमोचन और पिछले हफ्ते लोकसभा चुनाव में पार्टी का नेतृत्व करने की उनकी क्षमता के बारे में टिप्पणियों के बाद आपके समर्थकों द्वारा दुष्ट और निरंतर ट्रोलिंग को चिह्नित करने के लिए लिखा था।

ओपी चौधरी का बजट : कोरबा को मिली एल्यूमिनियम पार्क, इंण्डस्ट्रीयल कॉरिडोर समेत 500 करोड की बड़ी सौगात

❖ लेमरू ऐलीफेंट कॉरिडोर के लिए 20 करोड़ की घोषणा

❖ कोरबा का लघु उद्योग सेक्टर लौटेगा पटरी पर, सैकड़ो लोगों को मिलेगा रोजगार

कोरबा (दिव्य आकाश)।

कोरबा विधायक और वाणिज्य, उद्योग और श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन के विशेष प्रयास से कोरबा को एल्यूमिनियम पार्क, कोरबा बिलासपुर इन्डस्ट्रीयल कॉरिडोर समेत 500 करोड़ की बड़ी सौगात भाजपा की साय सरकार ने दी है, वित्त मंत्री ओपी चैधरी ने बजट में इसकी घोषणा की।

गौरतलब है कि कोरबा जिले में एल्यूमिनियम पार्क की लंबे समय से मांग उठते रही है, कांग्रेस सरकार में कई बार उद्योग संघ ने मांग की थी। उद्योग मंत्री बनने के बाद लखन लाल देवांगन द्वारा कोरबा से

लखन ने जताया आभार

बिलासपुर के मध्य इंडस्ट्रीयल कॉरिडोर के लिए अधिकारियों को योजना बनाने निर्देशित किया गया था। मंत्री श्री देवांगन प्रयास की वजह से कोरबा की बहुप्रतीक्षित मांग पूरी हो गई, कोरबा में इन्डस्ट्रीयल कॉरिडोर के लिए 5 करोड़ और एल्यूमिनियम पार्क के लिए 5 करोड़ की घोषणा बजट में की गई इसके अलावा कटघोरा से डोंगरगढ़ रेल्वे लाईन के लिए 300 करोड़ की भी घोषणा बजट में की गई है। गौरतलब है कि मंत्री श्री लखन जब कटघोरा विधानसभा से विधायक एवं संसदीय सचिव थे तब उनके प्रयासों से महत्वपूर्ण रेल कॉरिडोर की नींव रखी गई थी, लेकिन सरकार बदलने के बाद कांग्रेस पार्टी ने रेल कॉरिडोर प्रोजेक्ट पर रूचि नही दिखाई थी। मंत्री श्री देवांगन के प्रयासों से बहुत जल्द कटघोरा से डोंगरगढ़ रेलवे लाईन का निर्माण तीव्र गति से प्रारंभ होगा।

पहले ही बजट में मंत्री लखन ने जनता से किये वादे को किया पूरा

कैबिनेट मंत्री लखनलाल देवांगन की शुरू से ही कोशिश रही कि कोरबा में जल्द से जल्द एल्यूमिनियम पार्क की स्थापना हो; उन्होनें पहले बजट में ही एल्यूमिनियम पार्क के लिए प्रस्ताव मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और वित्त मंत्री ओपी चैधरी को दिया, उन्होनें इस पार्क की जरूरत भी बतायी थी, बालको के स्मेल्टर प्लांट में एल्यूमिनियम तैयार होता है, एल्यूमिनियम पार्क के बन जाने से एल्यूमिनियम से तैयार होने वाले उत्पाद कोरबा में ही बन सकेंगे। एक ही जगह पर कई प्रकार के उत्पाद बनाए जा सकेंगे; इसके लिए स्थानीय और बाहरी उद्योगपति कोरबा में संयंत्र लगाने के लिए रूचि लेंगे।

स्थल का जल्द होगा चिन्हांकन

विधानसभा चुनाव के दौरान कैबिनेट मंत्री लखनलाल देवांगन ने उद्योग संघ से वादा किया था कि जीतने के बाद हर हाल में एल्यूमिनियम पार्क की घोषणा की जाएगी।मंत्री लखन ने अपना वादा पूरा करते हुए कोरबा जिले को बडी सौगात दी है; एल्यूमिनियम पार्क के लिए बंद हो चुके पूर्व संयंत्र और एफसीआई प्लांट की खाली पडी जमीन का चिंहाकन करने की तैयारी है

लेमरू एलिफेंट कॉरिडोर के लिए 20 करोड़ की घोषणा

हाथी प्रभावित क्षेत्रों में बढ़ते हाथी मानव द्वंद को रोकने के लिए पूर्ववर्ती सरकार ने लेमरू एलिफेंट कॉरिडोर की अधिसूचना जारी की थी लेकिन राशि नहीं देने की वजह से बहुत सारे कार्य शुरू नहीं हो पा रहे थे इस वजह से आये दिन घटनायें बढ़ रही थी। मंत्री श्री लखन लाल देवांगन ने इसके लिए चिन्ता भी व्यक्त की थी, उन्होने सरकार के संज्ञान में इस विषय को लाया था। इसके फलस्वरूप सरकार ने बजट में 20 करोड़ की घोषणा की है।

कोरबा जिले को मिली सौगात पर एक नजर

- कटघोरा डोंगरगढ़ रेल लाईन 300 करोड़
- लेमरू एलिफेंट कॉरिडोर 20 करोड़
- एल्यूमिनियम पार्क 5 करोड़
- कोरबा से बिलाासपुर इंडस्ट्रीयल कॉरिडोर 5 करोड़
- सतरेंगा में पार्क 5 करोड़
- तकनीक आधारित सायबर सेल थाना
- कोरबा, करतला में प्री-मैट्रिक छात्रावास
- कटघोरा परिवार न्यायालय में 19 नये पद सृजित व 50 लाख का प्रावधान

उद्योग संघ में हर्ष का माहौल

बजट में एल्यूमिनियम पार्क की घोषणा के बाद उद्योग संघ में भी हर्ष का माहौल है; दरअसल उद्योग संघ लंबे समय से इसकी मांग उठाता रहा है, इसके बन जाने से छोटे-छोटे उद्योग कोरबा में ही एल्यूमिनियम के उत्पाद तैयार कर सकेंगे, हजारों लोगों को रोजगार के अवसर भी मिलेंगे।

नेता प्रतिपक्ष हितानंद ने बजट में कोरबा को वरियता दिए जाने पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय व वित्त मंत्री ओपी चौधरी का जताया आभार

नेता प्रतिपक्ष हितानंद अग्रवाल छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय व वित्त मंत्री ओपी चौधरी को GREAT CG के थीम पर आधारित अमृतकाल के नींव का बजट के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। 1,47, 500 करोड़ के बजट में उन्होंने वित्त मंत्री ओपी चौधरी को छत्तीसगढ़ बजट 2024-25 में कोरबा को वरियता दिए जाने व प्रदेश के नागरिकों पर अतिरिक्त अधिभार न लगाए जाने पर आभार जताया है।

उन्होंने कहा कि कोरबा जिले की बहु प्रतीक्षित मांग अब हकीकत बनेगी, कोरबा में एल्यूमिनियम पार्क घोषणा निर्माण की घोषणा के साथ कोरबा के विकास को नए पंख मिलेंगे। आए दिन बढ़ रहे साइबर अपराध के लिए बजट में नवीन साइबर पुलिस थाने की स्थापना के लिए कोरबा जिले को शामिल किए जाने पर नेता प्रतिपक्ष हितानंद ने कहा कि इससे कोरबा ही नही अन्य जिलों के पीड़ितों को भी सहायता मिलेगी।

कोरबा में औद्योगिक क्षेत्र को बढ़ावा दिए जाने के लिए नया पावर प्लांट के निर्माण के फैसले का उन्होंने स्वागत करते हुए कहा है कि कोरबा अब जल्द ही समस्त छत्तीसगढ़ का ग्रोथ इंजन बनकर उभरेगा। काले हीरे की नगरी कोरबा में शिक्षा के स्तर को सुधारने के लिए छात्रावास को उन्होंने सराहनीय पहल बताया है।

कोरबा में क्षेत्र में हाथी-मानव द्वंद से जीवन की रक्षा के लिए प्रभावित क्षेत्रों में रैपिड रिस्पांस टीम के गठन के साथ कोरबा के सतरेंगा में एक्का पार्क के निर्माण के प्रावधान का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा है कि यह बजट छत्तीसगढ़ प्रदेश समेत कोरबा जिले के चहुंमुखी विकास का द्वार खोलेगा।

चुनाव में भाजपा की गारंटी बजट से गायब -ज्योत्सना

कोरबा (दिव्य आकाश)।

कोरबा लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती ज्योत्सना चरणदास महंत ने छत्तीसगढ़ के बजट पर कहा है कि यह एक लच्छेदार भाषण के जैसा ही है जिसमें शब्दों के जाल में जनता को उलझाने का काम हुआ है। वित्तमंत्री द्वारा प्रस्तुत बजट निराशाजनर्क है।

इस बजट से छत्तीसगढ़ के विकास को कोई पंख नहीं लेगेंगे बल्कि व्यवसायियों तथा उद्योगपतियों के लिए लाभदायक होगा। ग्रामीण क्षेत्र के शिक्षित बेरोजगारों को रोजगार के लिए यह बजट सहायक नहीं है। ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं की आय बढ़ाने हेतु कोई प्रावधान नहीं किया गया है। वनोपजों के विदोहन, उनके प्रसंस्करण तथा वनवासियों की आय में वृद्धि करने हेतु इस बजट में कोई प्रावधान नहीं है।

स्कूलों और कालेजों की संख्या में वृद्धि तथा भवनों का निर्माण की बात हुई है परन्तु रिक्त पदों को भरने का वादा बजट में नहीं दिखता। जीरो टॉलरेंस की बात करने वाली भाजपा की सरकार में लोक सेवकों के भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए कोई बात नहीं की गई है। अवैध नशीले पदार्थो पर अंकुश लगाने के लिए कोई प्रावधान नहीं है। सांसद ने कहा है कि विधानसभा चुनाव के वक्त भाजपा ने गारंटी की बात कही थी लेकिन घोषणा पत्र में उसकी कोई भी गारंटी कहीं भी नजर नहीं आ रही।

पीएससी की प्रारंभिक परीक्षा 11 फरवरी को, 07 हजार से अधिक परीक्षार्थी होंगे शामिल

कोरबा (दिव्य आकाश)।

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग रायपुर द्वारा आयोजित राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2023 रविवार 11 फरवरी को पूर्वान्ह 10 बजे से दोपहर 12 तक तथा अपरान्ह 03 से शाम 05 तक दो पालियों में होगी। इस परीक्षा में जिले में 7086 परीक्षार्थी शामिल होंगे। जिनके लिए 20 परीक्षा केंद्र बनाये गये हैं। परीक्षार्थियों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए शासकीय ई.व्ही.पी.जी. महाविद्यालय रजगामार रोड कोरबा में मार्गदर्शन केंद्र बनाया गया है। जिसका दूरभाष क्रमांक 07759-221458 है। परीक्षार्थी इस नंबर पर डायल करके आवश्यक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

अग्निवीर :13 फरवरी से 23 मार्च तक कर सकते हैं आवेदन

कोरबा (दिव्य आकाश)।

भारतीय वायुसेना द्वारा अविवाहित युवाओं एवं युवतियों को अग्निवीर के तहत सेना में भर्ती के लिए पूर्व में अधिसूचना जारी हुई है। जिसके तहत इच्छुक आवेदकों से 13 फरवरी से 23 मार्च 2024 तक ऑनलाइन आवेदन मंगाए गए हैं। ऑनलाइन आवेदन वेबसाइट www.joinindianarmy.nic.in पर किया जा सकता है। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि अग्निवीर वायुसेना भर्ती में सम्मिलित होने के लिए आवेदक की जन्मतिथि 31/10/2024 की स्थिति में साढ़े 17 वर्ष से 21 वर्ष तक होना अनिवार्य है। आवेदक का 8वीं से 12वीं उत्तीर्ण होना वांछनीय है। आवेदकों द्वारा अग्निवीर सामान्य ड्यूटी, टेक्निकल, क्लर्क, स्टोरकीपर, ट्रेड्समेन, सामान्य ड्यूटी महिला पदों हेतु आवेदन किया जा सकता है। भर्ती हेतु ऑनलाइन परीक्षा का आयोजन अप्रैल एवं मई माह में होने की संभावना है।

कोरबा कलेक्टर अजीत बसंत सहित जिला पंचायत सीईओ सहित अन्य अधिकारी बेला पहुंचे।

राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' 12 को प्रवेश करेगी कटघोरा विधानसभा

पीसीसी प्रदेश महासचिव प्रशांत मिश्रा व कांग्रेस पदाधिकारियों ने स्वागत व भोजन विश्राम स्थल का किया निरीक्षण

कोरबा/कटघोरा (दिव्य आकाश)।

राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा 11 फरवरी को कोरबा जिला प्रवेश करेगी तथा कोरबा में रात्रि विश्राम के बाद अगले दिन 12 फरवरी को दोपहर 12:30 बजे को कटघोरा विधानसभा के कटघोरा नगर पहुंचने की संभावना है। जहां कांग्रेस पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं द्वारा उनका भव्य स्वागत किया जाएगा। साथ ही स्वागत करने के बाद कांग्रेस की प्रदेश व ब्लॉक इकाई यात्रा की कमान संभालेगी। यह यात्रा दोपहर तानाखार के बरपाली के पास भोजन विश्राम के लिए रुकने से पहले करीब 10 किलोमीटर का सफर तय करेगी।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की अगुवाई में 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' 12 फरवरी को कटघोरा नगर में प्रवेश करेगी। यह यात्रा ओड़िसा से छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में 11 फरवरी को प्रवेश करते हुए रामपुर विधानसभा होते हुए कोरबा विधानसभा में रात्रि विश्राम कर 12 फरवरी को कटघोरा शहर से होते हुए जिले के पाली तानाखार विधानसभा से अगले जिले सरगुजा में प्रवेश करेगी। राहुल के स्वागत में शहर की सड़कें राहुल गांधी के बैनर, कटआउट और होर्डिंग से पट गया है।

पीसीसी प्रदेश महासचिव प्रशांत मिश्रा शुक्रवार को कांग्रेस पदाधिकारी कटघोरा शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राजीव लखनपाल, पूर्व ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अशरफ मेमन व अन्य पदाधिकारियों के साथ स्वागत स्थल कटघोरा व तानाखार के बरपाली के भोजन विश्राम स्थल का निरीक्षण करने पहुंचे। श्री मिश्रा ने बताया कि राहुल गांधी की एक झलक पाने के लिए लोगों में जबरदस्त उत्साह है। स्थानीय लोग उन्हें ''पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के पोते के रूप में देखते हैं।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा तानाखार के नेशनल हाईवे पर स्थित ग्राम बरपाली के पास मैदान में दोपहर का भोजन करने से पहले कटघोरा नगर के मुख्य चौराहे पर भव्य स्वागत पश्चात एक जनसभा को संबोधित करने का कार्यक्रम है। राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा को लेकर कांग्रेस पार्टी में जबरजस्त उत्साह है। इस दौरान प्रदेश के कांग्रेस पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं का कोरबा व कटघोरा में स्वागत कार्यक्रम में शामिल होने की उम्मीद है। इसलिए स्वागत स्थल व तैयारियों का जायज़ा लेने जिले के कांग्रेस के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ कटघोरा व तानाखार के बरपाली पहुंचे।

इस दौरान पीसीसी के प्रदेश महासचिव प्रशांत मिश्रा, कांग्रेस पाली तानाखार विधायक प्रत्याशी दुलेश्वरी ,हरीश परसाई, पूर्व विधायक पुरुषोत्तम कंवर, अशरफ मेमनलाल, राजीव लखनपाल, बाबू ठाकुर, यशवंत लाल ,अशोक मिश्रा सरपंच राकेश सिंह भोला गोस्वामी, विजय दुबे, सत्यनारायण पैकरा व कांग्रेस के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जन अपेक्षाओं के विपरीत, निराशाजनक बजट-जयसिंह

कोरबा (दिव्य आकाश)।

छत्तीसगढ़ बजट 2024 पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पूर्व केबिनेट मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने कहा है कि साय सरकार का पहला बजट आम जनता की अपेक्षा और उम्मीदों के विपरीत घोर निराशाजनक रहा है। ना इसमें युवाओं के रोजगार के संदर्भ में कोई रोड मैप दिख रहा है, ना ही महंगाई से निपटने कोई ठोस रणनीति है। बजट में नई नौकरियों के लिए कोई प्रावधान नहीं हैं। 500 रुपए में गैस सिलेंडर देने का वादा पर गैस सब्सिडी के लिए भी बजट में प्रावधान नहीं हैं।

उन्होने कहा है कि बजट 1 साल के लिए होता है, लेकिन झांसा 2047 तक का दिया गया। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के द्वारा प्रस्तुत पिछले बजट में छत्तीसगढ़ में चार नए मेडिकल कॉलेज खोलने की व्यवस्था दी गई थी इस बजट में एक भी नया मेडिकल कॉलेज या इंजीनियरिंग कॉलेज खोलने का प्रावधान नहीं है। विगत 3 वर्षों से प्रदेश सरकार ने कोई नया कर्ज नहीं लिया था, भाजपा की सरकार आते ही पिछले 2 महीने में चार बार नया कर्ज लिया गया, 5000 करोड़ से अधिक का नया कर्ज अब तक साय सरकार ले चुकी है। कुल मिलाकर साय सरकार के पहले बजट ने छत्तीसगढ़ एवं कोरबा की जनता को निराश किया है।

महतारी वंदन योजना से संबंधित समस्याओं के समाधन हेतु हेल्पलाइन नंबर जारी

कोरबा (दिव्य आकाश)।

छत्तीसगढ़ शासन महिला एवं बाल विकास विभाग नवा रायपुर द्वारा प्रदेश में महिला सशक्तिकरण की दिशा में महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन, उनके स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर में सतत् सुधार एवं सुदृढ़ करने हेतु महतारी वंदन योजना 2024 की स्वीकृति प्रदान की गयी है, जिसका क्रियान्वयन जिले में किया जा रहा है। महतारी वंदन योजना से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी एवं समस्याओं के समाधान के लिए कंट्रोल रूम की स्थापना कर ड्यूटी निर्धारित किया गया है। कंट्रोल रूम का हेल्पलाइन नंबर 07759-468931 है। उक्त हेल्पलाईन नंबर पर प्रात: 10 बजे से सांयकाल 6 बजे तक संपर्क किया जा सकता है। इस हेतु पर्यवेक्षक सुश्री रोस रीना केरकेट्टा की ड्यूटी निर्धारित की गई है। साथ ही विभागीय समन्वय हेतु नोडल अधिकारी के रूप में गजेन्द्र देव सिंह मोबाइल नंबर 7067526100 की नियुक्ति की गई है।

कलेक्टर पहुंचे दूरस्थ वनांचल क्षेत्र : शासकीय संस्थानो का किया निरीक्षण, स्कूलों में बच्चों की संख्या बढ़ाने के दिए सख्त निर्देश

कोरबा (दिव्य आकाश)।

कलेक्टर अजीत वसंत ने आज विकासखंड कोरबा के विभिन्न शासकीय संस्थानो का आकस्मिक निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने लेमरू में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं नकिया में शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला, मिडिल शाला, आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण कर शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ संबित मिश्रा सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। कलेक्टर ने लेमरू के हायर सेकंडरी स्कूल का अवलोकन करते हुए विद्यालय में दर्ज बच्चों की संख्या, शिक्षको की उपलब्धता, विद्यालय की अन्य सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों से पढ़ाई के संबंध में चर्चा करते हुए विद्यार्थियों को परीक्षा में सफल होने और लक्ष्य को हासिल करने के लिए मन लगाकर पढ़ाई करने और परीक्षा को लेकर किसी तरह का तनाव व दबाव न रखने की बात कहते हुए आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। कलेक्टर ने विद्यालय में गत शैक्षणिक सत्र की रिजल्ट की जानकारी लेते हुए इस वर्ष परीक्षा परिणाम बेहतर करने के लिए विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए।

प्रार्थना के समय देश प्रदेश की महत्वपूर्ण सामान्य जानकारी से बच्चों को कराएं अवगत

कलेक्टर ने नकिया के पूर्व माध्यमिक शाला व मिडिल स्कूल का निरीक्षण करते हुए बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने हेतु शिक्षको को निर्देशित किया। उन्होंने बच्चों से उनकी पढ़ाई की जानकारी लेते हुए उन्हें प्रार्थना के समय देश-प्रदेश की महत्वपूर्ण सामान्य जानकारी प्रदान करने के निर्देश दिए।

स्वास्थ्य कर्मचारी समय पर केंद्र में उपस्थित रहकर मरीजों को सेवाएं करें प्रदान

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लेमरू का निरीक्षण कर कलेक्टर ने स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने केंद्र में स्वास्थ्य अधिकारी-कर्मचारियों की स्वीकृत, दर्ज एवं रिक्त पदों की जानकारी लेते हुए सभी स्वास्थ्य कर्मचारियों को समय पर केंद्र में उपस्थित रहकर मरीजों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के निर्देश दिए।

नकिया आंगनबाड़ी केंद्र के कार्यकर्ता व मितानिन के कार्यो की हुई सराहना

कलेक्टर ने नकिया आंगनबाड़ी केंद्र के निरीक्षण के दौरान पूरे परिसर का अवलोकन करते हुए केंद्र में दर्ज बच्चों की संख्या, कुपोषित बच्चों की जानकारी, खेल सामग्री, बच्चों की दी जाने वाली गर्म भोजन, ग्रोथ चार्ट ,पोषण ट्रेकर ऐप में एंट्री की जानकारी ली। उन्होंने आंगनबाड़ी में बच्चों को अक्षर ज्ञान एवं प्रारंभिक शिक्षा भी गम्भीरता से प्रदान करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने केंद्र में बच्चों के लिए तैयार किए गर्म भोजन का अवलोकन किया। बच्चों के लिए केंद्र में चावल, दाल व दो प्रकार की हरी सब्जी तैयार किया गया था, जिस पर कलेक्टर ने बच्चों के शारीरिक विकास हेतु आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व मितानिन के इस प्रयास की सराहना की।

बेला गौठान बनेगा मॉडल

कोरबा (दिव्य आकाश)। कलेक्टर अजीत वसंत ने कोरबा विकासखण्ड के बेला गौठान का निरीक्षण कर गौठान में विभिन्न अधोसंरचना निर्माण एवं गतिविधियां संचालित कर मॉडल गौठान के रूप में विकसित करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री संबित मिश्रा उद्यानिकी, पशुपालन सहित अन्य विभागों के अधिकारी कर्मचारी, सरपंच, सचिव एवं गौठान से जुड़ी समूह की महिलाएं उपस्थित थे।

कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि भारत सरकार के निर्देशानुसार बेला गौठान को मॉडल गौठान के रूप में विकसित किया जाएगा। इस हेतु यहां आजीविका संवर्धन गतिविधियां संचालित करने हेतु विभिन्न अधोसरंचना निर्माण कर गौठान से जुड़ी महिला समूह को स्वावलंबी बनाया जाएगा। कलेक्टर ने कहा कि मॉडल गौठान का उद्देश्य पूरा होना चाहिए। इस हेतु विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर इस दिशा में प्रभावी कदम उठाएं। उन्होंने गौठान में खाद निर्माण, मुर्गी पालन, मशरूम उत्पादन बाड़ी विकास जैसी अनेक गतिविधियां संचालित करने के लिए महिला समूह का चयन कर उन्हें आवश्यक प्रशिक्षण भी प्रदान करने की बात कही। साथ ही गौठान में सामुदायिक बाड़ी विकास एवं चारागाह निर्माण हेतु भी स्थान चिन्हांकन सहित अन्य तैयारियां पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया।

स्वामी , प्रकाशक ,मुद्रक युधिष्ठिर राजवाड़े द्वारा आकाश आफसेट टीपी नगर कोरबा से मुद्रित कर प्रेस क्लब भवन के सामने रिकाण्डो रोड कोरबा से प्रकाशित संपादक युधिष्ठिर राजवाड़े मो.नं.-98266-47851 आरएनआई नंबर CHHHIN/2010/47078 Email :-divyaakash.news@gmail.com